RNI : CTHIN/25/A1911

हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

● वर्ष-01 ● अंक- 69 ● भिलाई, शनिवार 13 सितम्बर 2025 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

जगद्गुरु श्रीरामभद्राचार्य बोले

अपने ही देश में नहीं मिल रहा न्याय

मेरठ। मेरठ विक्टोरिया पार्क में बृहस्पतिवार को जगद्गुरु श्रीरामभद्राचार्य की कथा से पूर्व चरण पादुका पूजन हुआ। इसके बाद जगद्गुरु ने कहा कि आज हिंदुओं पर संकट है। अपने ही देश में हम हिंदू धर्म को उतना न्याय नहीं दे पा रहे हैं। उत्तर प्रदेश मिनी पाकिस्तान लगता है। अब हमें मुखर होने की जरूरत है। प्रत्येक घर में हिंदू धर्म की पाठशाला बनानी पड़ेगी। प्रत्येक माता-पिता को अपने बच्चों को हिंदू धर्म की शिक्षा देनी होगी। मेरठ विक्टोरिया पार्क में गुरुवार को जगद्गुरु श्रीरामभद्राचार्य की कथा से पूर्व चरण पादुका पूजन हुआ। इसके बाद जगद्गुरु ने कहा कि आज हिंदुओं पर संकट है। अपने ही देश में हम हिंदू धर्म को उतना न्याय नहीं दे पा रहे हैं। उत्तर प्रदेश मिनी पाकिस्तान लगता है। अब हमें मुखर होने की जरूरत है। प्रत्येक घर में हिंदू धर्म की पाठशाला बनानी पड़ेगी।

237 एकड़ में फैले कांगला किले के आस पास जवान तैनात

पीएम मोदी जाएंगे मणिपुर.... 8500 करोड़ की देंगे सौगात,दौरे से पहले उपद्रवियों-सुरक्षाबलों में झड़प

इंफाल/ एजेंसी

पीएम नरेंद्र मोदी शनिवार को मणिपुर दौरे पर जाएंगे। वे यहां 8500 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास करेंगे। मणिपुर के मुख्य सचिव पुनीत कुमार गोयल ने बताया कि प्रधानमंत्री सबसे पहले मिजोरम से चुराचांदपुर पहुंचेंगे और फिर इंफाल जाएंगे। वहीं पीएम मोदी के दौरे से पहले गुरुवार शाम को कुकी बहुल चुराचंदपुर जिले में दो स्थानों पर उपद्रवियों और सुरक्षा बलों के बीच झड़प हुई। मणिपुर के मुख्य सचिव ने कहा कि मणिपुर के समावेशी, सतत और समग्र विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के अनुरूप प्रधानमंत्री चुराचांदपुर में 7,300 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली कई विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखेंगे। जबकि 1200 करोड़ रुपये से अधिक की कई विकास परियोजनाओं का भी उद्घाटन करेंगे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री की 13 सितंबर की मणिपुर यात्रा राज्य में शांति, सामान्य स्थिति और विकास

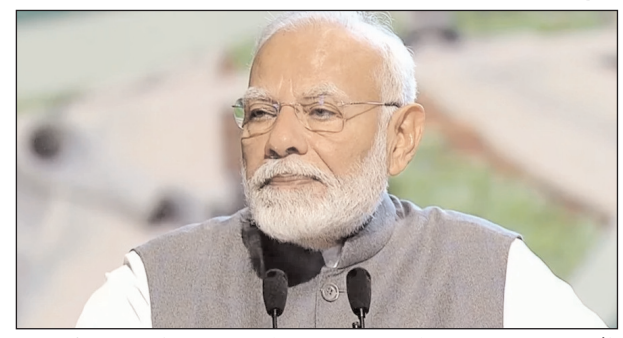

का मार्ग प्रशस्त करेगी। पीएम मोदी चुराचांदपुर और इम्फाल में आंतरिक रूप से विस्थापित लोगों से बातचीत करेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शनिवार को संभावित मणिपुर दौरे से पहले इंफाल और चुराचांदपुर में सुरक्षा इंतजाम कड़े कर दिए गए हैं। प्रधानमंत्री के मणिपुर दौरे को लेकर अभी तक कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। लेकिन उनके मिजोरम यात्रा के बाद मणिपुर पहुंचने की संभावना है। राज्य में प्रधानमंत्री की यात्रा को लेकर तैयारियां काफी तेजी से चल रही हैं। इंफाल में करीब 237 एकड़ में फैले कांगला किले और चुराचांदपुर के पीस ग्राउंड के आसपास बड़ी संख्या में राज्य और केंद्रीय बलों के जवान तैनात किए गए हैं। वहां पर प्रधानमंत्री के कार्यक्रम के लिए एक भव्य मंच का निर्माण भी किया जा रहा है। इसी क्रम में राज्य में कई बैठकें भी आयोजित की जा चुकी हैं। मई 2023 में कुकी और मैतेई समुदायों के बीच जातीय हिंसा भड़कने के बाद मोदी की यह पहली मणिपुर यात्रा होगी। राज्य में महीनों जारी रही हिंसा में 250 से ज्यादा लोग मारे गए और हजारों बेघर हो गए। राज्य कर्मचारियों के साथ केंद्रीय सुरक्षा दल कांगला किले का चौबीसों घंटे निरीक्षण कर रहे हैं और राज्य आपदा प्रबंधन बल की नौकाओं को किले के चारों ओर की खाइयों में गश्त के लिए लगाया गया है।

संक्षिप्त समाचार

45 मिनट तक राम मंदिर में रहे मॉरीशस के प्रधानमंत्री, पत्नी संग किया दर्शन-पूजन

अयोध्या। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संसदीय क्षेत्र काशी के बाद मॉरीशस के प्रधानमंत्री डॉ. नवीन चंद्र राम गुलाम अयोध्या पहुंचे। जहां महर्षि वाल्मीकि एयरपोर्ट पर उनका स्वागत मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने किया। उनके साथ परिवार के सदस्य, मॉरीशस प्रधानमंत्री कार्यालय के वरिष्ठ अधिकारी और कैबिनेट के मंत्री भी मौजूद रहे। एयरपोर्ट पर उनका स्वागत पारंपरिक रेड कार्पेट शैली में किया गया। प्रधानमंत्री डॉ. नवीन चंद्र राम गुलाम अयोध्या एयरपोर्ट से रामलला के दरबार पहुंचे। जहां उन्होंने पत्नी के साथ रामलला की आरती उतारी और दर्शन-पूजन किए। इस दौरान सीएम योगी आदित्यनाथी उनके साथ मौजूद रहे। प्रधानमंत्री डॉ. नवीन चंद्र करीब 45 मिनट तक राम मंदिर में रहे। इसके बाद महर्षि वाल्मीकि एयरपोर्ट के लिए रवाना हो गए। महर्षि वाल्मीकि एयरपोर्ट के लिए रवाना हो गए।

होशियारपुर में पांच साल के बच्चे की हत्या, श्मशानघाट से मिली लाश

होशियारपुर। घर के बाहर खेलते समय अपहृत किये गये पांच वर्षीय बच्चे का शव सुबह शहर के पुरहिरन इलाके में एक श्मशान घाट से बरामद किया गया। पुरहिरन थाना प्रभारी सतपाल सिंह ने कहा कि लड़का कपूरथला जिले का मूल निवासी है और वर्तमान में होशियारपुर में अपने माता-पिता के साथ रह रहा था। श्मशान घाट पर पत्रकारों से बात करते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संदीप कुमार मलिक ने हत्या को दुखद और दुर्भाग्यपूर्ण घटना बताया। उन्होंने बताया कि शाम करीब छह बजे सूचना मिली कि लड़का लापता हो गया है, जिसके बाद पुलिस ने तलाश शुरू की। सीसीटीवी फुटेज में एक व्यक्ति स्कूटर पर आगे की सीट पर एक बच्चे को ले जाता हुआ दिखाई दे रहा है, जिससे संदेह पैदा हुआ। मलिक ने कहा, स्कूटर सब्ज़ी मंडी में बलराम नाम के एक गोदाम में मिला। वहां पुलिस को पता चला कि गोदाम में काम करने वाला एक मज़दूर इस घटना में शामिल था।

ट्रंप के टैरिफ से भारत को नुकसान

भारत के लोगों की नौकरियां जा रही हैं-सांसद शशि थरूर

नई दिल्ली/ एजेंसी

अमेरिका की ओर से लगाए गए शुल्कों का भारत पर असर पड़ा है और लोगों की नौकरियां जा रही हैं। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शशि थरूर ने शुक्रवार को यह बात कही। थरूर ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर निशाना साधते हुए कहा कि वे स्वभाव से अस्थिर हैं और कूटनीतिक व्यवहार के पारंपरिक मानकों का सम्मान नहीं कर रहे हैं। अमेरिका ने भारत से आयातित रूसी तेल पर 50 प्रतिशत टैरिफलगाया है। इसमें रूसी तेल खरीदने के लिए लगाया गया 25 प्रतिशत जुर्माना भी शामिल है। थरूर ने कहा कि भारत को टैरिफ के प्रभाव को कम करने के लिए निर्यात बाजारों में विविधता लाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि सूरत में रत्न व आभूषण कारोबार, समुद्री खाद्य और विनिर्माण क्षेत्र में 1.35 लाख लोगों की नौकरियां चली गई हैं। थरूर ने भारत के रियल एस्टेट क्षेत्र के शीर्ष उद्योग संगठन क्रेडाई द्वारा आयोजित एक सम्मेलन में भारत-अमेरिका संबंधों और टैरिफ लगाने से संबंधित एक प्रश्न का उत्तर देते हुए कहा, श्री ट्रम्प बहुत ही चंचल व्यक्ति हैं और अमेरिकी प्रणाली राष्ट्रपति को बहुत अधिक छूट देती है। ट्रंप के बारे में अपनी राय जारी रखते हुए थरूर ने कहा, हालांकि उनसे पहले 44 या 45 राष्ट्रपति हुए हैं। लेकिन किसी ने भी व्हाइट हाउस से इस तरह का व्यवहार नहीं देखा। कांग्रेस नेता ने ट्रम्प को हर पैमाने पर एक असामान्य राष्ट्रपति बताया और कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति निश्चित रूप से राजनयिक व्यवहार के पारंपरिक मानकों का सम्मान नहीं करते हैं।

बस्तर में तेज रफ्तार बोलेरो और एक कार में भीषण भिड़ंत, दो लोगों की जलकर मौत...

बस्तर। बस्तर जिले के कोड़ेनार थाना क्षेत्र के ग्राम किलेपाल के पास गुरुवार और शुक्रवार की दरमियानी रात एक बड़ा हादसा हो गया। एक तेज रफ्तार कार व बोलेरो में भिड़ंत हो गई। घटना इतनी जबरदस्त थी कि दोनों वाहनों में आग लग गई। इस घटना में कार में सवार 3 में से 2 लोगों की जिंदा जलने से मौत हो गई। दोनो वाहनों में सवार अन्य युवक किसी तरह से अपने आप को बचाते हुए बाहर निकले। आग बुझाने के लिए फायर ब्रिगेड की टीम को बुलाया गया। घंटों की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया है। आग के बुझने पर 2 कंकाल भी बरामद किये गये हैं।

मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने इसकी वजह भी बताई

कर्नाटक में 22 सितंबर से नई जाति जनगणना का एलान.....

बंगलूरू/ एजेंसी

मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने शुक्रवार को घोषणा की कि कर्नाटक 22 सितंबर से 7 अक्तूबर के बीच एक नया सामाजिक-आर्थिक और शैक्षिक सर्वेक्षण कराएगा। उन्होंने कहा कि 2015 में हुई जाति जनगणना को सरकार ने स्वीकार नहीं किया है। उन्होंने कहा कि पिछली जनगणना के एक दशक बीत जाने के बाद समाज की वर्तमान वास्तविकताओं को समझने के लिए एक नया सर्वेक्षण आवश्यक हो गया है। मुख्यमंत्री ने एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा, 'समाज में कई धर्म और जातियां हैं। विविधता और असमानता भी है। संविधान कहता है कि सभी समान होने चाहिए और सामाजिक न्याय सुनिश्चित किया जाना चाहिए।' उन्होंने जोर देकर कहा कि यह सर्वेक्षण असमानताओं को दूर करने और लोकतंत्र की मजबूत नींव रखने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। कर्नाटक राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग की ओर से किए जाने वाले इस सर्वेक्षण में राज्य के लगभग सात करोड़ परिवारों की पूरी आबादी को शामिल किए जाने की उम्मीद है। प्रत्येक परिवार को एक विशिष्ट घरेलू पहचान पत्र (यूआईडी) स्टिकर दिया जाएगा, जिसमें अब तक 1.55 करोड़ स्टिकर लगाए जा चुके हैं। परिवारों की सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक और शैक्षिक स्थिति का विवरण एकत्र करने के लिए 60 प्रश्नों वाली एक प्रश्नावली आयोजित की जाएगी। इस सर्वेक्षण के लिए दशहरे की छुट्टियों के दौरान 1.85 लाख सरकारी शिक्षकों को तैनात किया जाएगा।

मानहानि रद्द कराने की थी दायर

कंगना ने सुप्रीम कोर्ट से वापस ली याचिका

नई दिल्ली। सांसद और अभिनेत्री कंगना रनौत के खिलाफ 2020-21 के किसान विरोध प्रदर्शन के दौरान कथित रूप से अपमानजनक टिप्पणी करने का मामला कोर्ट में है। कंगना ने शिकायत रद्द कराने के लिए हाईकोर्ट में गुहार लगाई, मगर उन्हें वहां राहत नहीं मिली। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। मगर, अब उन्होंने सुप्रीम कोर्ट से भी याचिका वापस ले ली है। न्यूज एजेंसी पीटीआई के मुताबिक अभिनेत्री और सांसद कंगना रनौत ने सुप्रीम कोर्ट से अपनी याचिका वापस ले ली है, जिसमें केंद्र के कृषि कानूनों के खिलाफ विरोध प्रदर्शन के संबंध में उनके द्वारा किए गए एक रीट्वीट पर आपराधिक मानहानि की शिकायत को रद्द करने की मांग की गई थी। दरअसल, यह मामला न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ के समक्ष सुनवाई के लिए आया।

सरदार लुक में दिखे अखिलेश यादव, किसान आंदोलन में जान गंवाने वाले लोगों के परिजनों को किया सम्मानित

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में शुक्रवार को पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने किसान आंदोलन में जान गंवाने वाले लोगों के परिवारीजन को सम्मानित किया। कार्यकम सपा मुख्यालय में आयोजित किया गया। इस दौरान सपा मुखिया साफा पहनकर सरदार लुक में नजर आए। इस मौके पर अखिलेश यादव ने कहा कि लाल पगड़ी खुशी के प्रतीक के रूप में पहनाई जाती है। अब खुशी आने वाली है, क्योंकि सपा सरकार बनने वाली है। नेपाल में हुए तख्तापलट की घटना पर कहा कि यदि वोट की डकैती होगी।

इस साल अब तक 243 नक्सली ढेर हो चुके

छत्तीसगढ़ के बीजापुर में सुरक्षाबलों ने नक्सलियों की तोड़ी कमर! मुठभेड़ में 2 ढेर, हथियार बरामद

रायपुर। छत्तीसगढ़ के बीजापुर में सुरक्षाबलों ने मुठभेड़ में दो नक्सलियों को ढेर कर दिया, जिनसे हथियार और विस्फोटक बरामद किए गए। यह कार्रवाई सुरक्षाबलों के व्यापक नक्सल विरोधी अभियान का हिस्सा है, जिसके तहत हाल ही में गरियाबंद में एक करोड़ के इनामी शीर्ष नक्सली नेता सहित 10 नक्सली मारे गए थे। इस साल 2025 में अब तक कुल 243 नक्सलियों के मारे जाने के साथ, सुरक्षाबलों ने छत्तीसगढ़ के बीजापुर में सुरक्षाबलों ने मुठभेड़ में दो नक्सलियों को मार गिराया, जिससे नक्सल विरोधी अभियान को बड़ी सफलता मिली है। इस कार्रवाई में हथियार और विस्फोटक सामग्री भी बरामद की गई, जो माओवादी नेटवर्क पर सीधा प्रहार है। यह घटना सुरक्षाबलों द्वारा लगातार चलाए जा रहे प्रभावी अभियानों का हिस्सा है, जिसके तहत इस साल अब तक 243 नक्सली ढेर हो चुके हैं। गतिविधियों पर प्रभावी ढंग से लगाम कसी है। छत्तीसगढ़ के बीजापुर में सुरक्षाबलों ने मुठभेड़ में दो नक्सलियों को मार गिराया, जिससे नक्सल विरोधी अभियान को बड़ी सफलता मिली है। इस कार्रवाई में हथियार और विस्फोटक सामग्री भी बरामद की गई, जो माओवादी नेटवर्क पर सीधा प्रहार है। यह घटना सुरक्षाबलों द्वारा लगातार चलाए जा रहे प्रभावी अभियानों का हिस्सा है, जिसके तहत इस साल अब तक 243 नक्सली ढेर हो चुके हैं। पुलिस अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों के अनुसार, बीजापुर जिले के दक्षिण-पश्चिमी क्षेत्र में माओवादियों की मौजूदगी की सूचना के आधार पर सुरक्षाबलों ने नक्सल विरोधी अभियान शुरू किया था।

शपथ ग्रहण समारोह में धनखड़ भी नजर आए

राधाकृष्णन ने ली उपराष्ट्रपति पद की शपथ,पीएम भी रहे मौजूद

नई दिल्ली/ एजेंसी

सीपी राधाकृष्णन ने शुक्रवार को उपराष्ट्रपति पद की शपथ ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राष्ट्रपति भवन में आयोजित समारोह में 67 वर्षीय राधाकृष्णन को शपथ दिलाई। राजग उम्मीदवार राधाकृष्णन ने इंडिया गठबंधन के उम्मीदवार पूर्व जस्टिस बी सुदर्शन रेड्डी को 152 मतों के अंतर से हराकर उपराष्ट्रपति पद का चुनाव जीत था। 21 जुलाई को जगदीप धनखड़ के अचानक इस्तीफे के बाद 9 सितंबर को नए उपराष्ट्रपति के लिए चुनाव हुआ था। इससे पहले उपराष्ट्रपति चुने जाने के बाद राधाकृष्णन ने महाराष्ट्र के राज्यपाल पद से इस्तीफा दे दिया था। गुरुवार को राष्ट्रपति भवन की ओर से जारी बयान में यह जानकारी दी गई थी। राष्ट्रपति मुर्मू ने राधाकृष्णन के इस्तीफे के बाद गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत को महाराष्ट्र का अतिरिक्त प्रभार सौंपा है। देवव्रत अब दोनों राज्यों के राज्यपाल की जिम्मेदारी संभालेंगे। संसद के हालिया मानसून सत्र के दौरान जगदीप धनखड़ ने स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफा दे दिया था, हालांकि उनका कार्यकाल दो साल बचा हुआ था। उनके इस्तीफे के कारण मध्यावधि चुनाव कराया गया। देश के 15वें उपराष्ट्रपति चुने गए सीपी राधाकृष्णन की उपराष्ट्रपति पद की तक यात्रा असाधारण रही है। इस सफर की शुरुआत छात्र आंदोलन से हुई और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़ाव के बाद इसका विस्तार राष्ट्रीय फलक तक हुआ। संघ से सक्रिय राजनीति में आए

सीपी राधाकृष्णन ने भाजपा में संगठन में लंबे समय तक काम किया। 2004 से 2007 तक वह तमिलनाडु प्रदेश भाजपा के अध्यक्ष रहे। इस दौरान 2007 में उन्होंने 93 दिनों में 19,000 किलोमीटर लंबी रथ यात्रा की। इसका मकसद देश की नदियों को जोड़ना, आतंकवाद का उन्मूलन, समान नागरिक संहिता लागू करना, अस्पृश्यता निवारण और मादक पदार्थों के खतरों से निपटना था। 2020 से 2022 तक वह केरल भाजपा के प्रभारी भी रहे। उन्हें संगठन और प्रशासन दोनों क्षेत्रों में मजबूत पकड़ वाला नेता माना जाता है। विनम्र और सुलभ नेता की छवि रखने वाले राधाकृष्णन को उनके समर्थक तमिलनाडु का मोदी कहकर पुकारते हैं। ओबीसी समुदाय कोंगु वेल्लार (गाउंडर) से आने वाले राधाकृष्णन की शादी सुमति से हुई है और उनके एक बेटा व एक बेटी हैं। उपराष्ट्रपति पद के लिए एनडीए के प्रत्याशी चुने जाने से पहले तक वह महाराष्ट्र के राज्यपाल थे। वह पिछले साल जुलाई में महाराष्ट्र के राज्यपाल बने थे। इससे पहले, फरवरी 2023 में उन्हें झारखंड का राज्यपाल नियुक्त किया गया था। झारखंड के राज्यपाल रहते उन्होंने तेलंगाना के राज्यपाल और पुडुचेरी के उप राज्यपाल का अतिरिक्त कार्यभार संभाला। राधाकृष्णन ने दक्षिण भारत में भाजपा के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। सार्वजनिक जीवन में उनका प्रवेश राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवक के रूप में हुआ था।

वह 1974 में भारतीय जनसंघ की राज्य कार्यकारिणी समिति के सदस्य बने। 1996 में उन्हें तमिलनाडु में भाजपा का सचिव नियुक्त किया गया। इसके बाद वह कोयंबटूर से 1998 और 1999 में दो बार लोकसभा के लिए चुने गए। हालांकि, 2004, 2014 और 2019 में लगातार तीन बार कोयंबटूर से उन्हें हार का सामना करना पड़ा था। सांसद रहते हुए वह संसदीय स्थायी समिति (कपड़ा मंत्रालय) के अध्यक्ष रहे। इसके अलावा, वह स्टॉक एक्सचेंज घोटाले की जांच के लिए बनी विशेष संसदीय समिति के सदस्य थे।

पंडरिया विधायक भावना बोहरा के प्रयासों से सड़क निर्माण हेतु मिली 28 करोड़ 87 लाख 8 हजार रुपए की प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति

पंडरिया विधानसभा को मिली सड़क निर्माण हेतु 28 करोड़ 87 लाख 8 हजार रुपए की प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति, विधायक भावना बोहरा ने जताया भाजपा सरकार का आभार

कवर्धा। छत्तीसगढ़ में भाजपा की सरकार बनने और पंडरिया विधायक भावना बोहरा की सक्रियता से विधानसभा में क्षेत्र में निरंतर विकास कार्यों की सौगात जनता को मिल रही है। भावना बोहरा के प्रयासों से विधानसभा वासियों की बहुप्रतीक्षित मांगे पूरी हो रहीं हैं। इसी क्रम में नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग द्वारा पंडरिया विधानसभा क्षेत्र में सड़कों के विस्तार हेतु 28 करोड़ 87 लाख 8 हजार रुपए की प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान की गई। भावना बोहरा ने इस सौगात के लिए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, उप मुख्यमंत्री अरुण साव और वित्त मंत्री ओपी चौधरी का आभार व्यक्त करते हुए क्षेत्रवासियों को बधाई दी। इस अवसर पर विधायक भावना बोहरा ने बताया कि जनता ने जिस विश्वास के साथ छत्तीसगढ़ में सुशासन की सरकार बनाई है उसी प्रतिबद्धता से हमारी सरकार जनकल्याण, सुविधाओं का विस्तार एवं हर गाँव एवं शहर के विकास और अधोसंरचना निर्माण के लिए तत्परता से कार्य कर रही है। जनता की बहुप्रतीक्षित मांग को देखते हुए वर्ष 2024-25 के वार्षिक बजट में शामिल पंडरिया विधानसभा के प्रतापपुर-भगतपुर-निंगापुर मार्ग तक कुल 12.07 कि.मी. सड़क निर्माण हेतु 21 करोड़ 7 लाख 98 हजार रुपए, जंगलपुर-कुम्ही मार्ग तक कुल 4.10 कि.मी. सड़क निर्माण हेतु 4 करोड़ 75 हजार 42 हजार रुपए और दशरंगपुर से खंडसरा मार्ग तक 3.00 कि.मी. सड़क निर्माण हेतु 3

करोड़ 3 लाख 68 हजार रुपए की प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान की है। 28 करोड़ 87 लाख रुपए से अधिक की राशि सड़क निर्माण हेतु मिली है इसके पूर्व भी पंडरिया विधानसभा को विभिन्न विकास एवं अधोसंरचना निर्माण कार्यों हेतु करोड़ों रूपए की स्वीकृति मिली है जो कार्य प्रगति पर हैं। उन्होंने आगे कहा कि यह कार्य सिर्फ सड़कें नहीं, बल्कि जन-जन के जीवन को सरल और समृद्ध बनाने का संकल्प हैं। माननीय मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के कुशल नेतृत्व में हमारे ग्रामीण अंचलों में आधारभूत संरचना को सुदृढ़ करने की दिशा में तेजी से कार्य हो रहें हैं और जनसुविधाओं का चरणबद्ध विकास सुनिश्चित किया जा रहा है, जिससे प्रदेश एवं पंडरिया विधानसभा के विकास और आर्थिक प्रगति के नए द्वार खुल रहें हैं। शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला सशक्तिकरण, व्यापारी हित के लिए सार्थक प्रयासों से पंडरिया विधानसभा सहित प्रदेश में हर व्यक्ति-वर्ग के लिए जनकल्याण की योजनाओं से जीवन स्तर में सकारात्मक परिवर्तन देखने को मिल रहे हैं। पंडरिया विधानसभा में अबतक विभिन्न विकास कार्यों, अधोसंरचना निर्माण, सौन्दर्यीकरण, स्वच्छता, सड़क,बिजली,पानी जैसी आवश्यक और मूलभूत सुविधाओं के विस्तार हेतु 300 करोड़ रुपए से अधिक की स्वीकृति मिली है। कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं को स्वीकृति मिली है, और कई कार्य गुणवत्तापूर्ण और तय समय पर पूरे किये जा रहें हैं वहीं प्रगति पर है। भावना बोहरा ने कहा कि भाजपा सरकार के नेतृत्व में पंडरिया विधानसभा में अभूतपूर्व कार्य एवं जनता की बहुप्रतीक्षित मांग पूरी हो रही है। सुतियापाट नहर विस्तारीकरण, बाकेला हाफ नदी व्यपवर्तन योजना, हरिनाला पुल निर्माण, पंडरिया एवं पांडातराई बाईपास निर्माण से आम जनता एवं किसानों को सुविधा मिलेगी। इनमें से कुछ कार्य पूर्ण हो चुके हैं वहीं कुछ कार्य प्रगति पर हैं और मुझे विश्वास है की उन कार्यों को भी तय समय में पूरा कर लिया जाएगा। हाल ही में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने पंडरिया में 250 सीटर नालंदा परिसर बनाने एवं गौरव पथ निर्माण हेतु स्वीकृति भी प्रदान की है।

इसके साथ ही गाँव-गाँव पक्की सड़कें, नाली निर्माण, प्रकाश व्यवस्था सुदृढ़ हुए हैं, प्रमुख चौक-चौराहों का निर्माण एवं सौन्दर्यीकरण, पंडरिया और पांडाताराई में खिलाड़ियों को प्रोत्सहित करने मिनी स्टेडियम की सौगात पंडरिया विधानसभा की प्रगति, उन्नति एवं समृद्ध पंडरिया की पहचान बन रहे हैं।

नपा अध्यक्ष ने पंजाबी पारा में रोड निर्माण का भूमि पूजन किया

बेमेतरा। शहर के वार्ड क्रमांक 08 पंजाबी पारा मे नगर पालिका अध्यक्ष विजय सिन्हा एवं वार्ड पार्षद चांदनी रोशन दत्ता ने 14 लाख की लागत से बन रहे आरसीसी रोड निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि नगर के विकास कार्यो को तेजी से कराया जायेगा और आगामी समय में नगर का विकास और तेजी से होगा तथा नगरवासियों को अधिक से अधिक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएगी। केंद्र व राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ भी हर घर तक पहुंचाया जायेगा। नपा अध्यक्ष ने बताया कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, नगरीय प्रशासन मंत्री अरुण साव एवं बेमेतरा विधायक दीपेश साहू के प्रयास से बेमेतरा में आरसीसी सड़क निर्माण हेतु राशि स्वीकृत हुई है। उन्होंने कहा कि शहर के नागरिकों को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना मेरी पहली प्राथमिकता है। पालिका क्षेत्र के विभिन्न वार्डों में हाई मास्ट लाइट, नाली, सड़क निर्माण और पेयजल व्यवस्था को सुव्यवस्थित रूप से संचालित कराने की दिशा में लगातार कार्य किया जा रहा है। इन प्रयासो से शहर की विकास को नई दिशा मिलेगी।

उदयपुर में बिखरी छत्तीसगढ़ के मिट्टी की महक और व्यंजनों की खुशबू

बेमेतरा की शिक्षिका अर्पणा शर्मा के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ की टीम ने सबका मन मोहा

बेमेतरा। सांस्कृतिक स्रोत्र एवं प्रशिक्षण केंद्र उदयपुर, राजस्थान मे आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला एनईपी 2020 के अनुरूप शिक्षा में कठपुतली की भूमिका, का आयोजन किया गया था। जिसमें 13 राज्यों के 90 शिक्षकों ने भाग लिया। 15 दिनों की कार्यशाला में बेमेतरा जिले की शासकीय प्राथमिक शाला गर्रा की शिक्षिका अर्पणा शर्मा ने भी शिरकत की. छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक छटा बिखेरते हुए छत्तीसगढ़ की 13 सदस्यों की टीम के रंगारंग कार्यक्रम ने समां बांध दिया। कार्यक्रम की शुरुआत राजकीय गीत से हुई। छत्तीसगढ़ से संबंधित जानकारी बेमेतरा की शिक्षिका अर्पणा शर्मा, उमेश ठाकुर, नीलकंठ यादव व अंजलिना पीटर के द्वारा विभिन्न परिपेक्ष में दी गई जिसमें छत्तीसगढ़ की भौगोलिक स्थिति, आदिवासी संस्कृति, राजकीय पशु वन भैसा, पक्षी पहाड़ी मैना, महानदी, विभिन्न जिलों में जनसंख्या का लैंगिक अनुपात, विभिन्न धर्मो के ऐतिहासिक व पर्यटन धार्मिक तीर्थ स्थल जैसे चंदखुरी में माता कौशल्या मन्दिर, बाल्मीकि आश्रम तुर्तुरिया, दंडकारण्य बस्तर, शिवरी नारायण मन्दिर, सिरपुर का गंधेश्वर महादेव, बौद्ध स्तूप व एशिया का दूसरे नंबर का सबसे बड़ा चर्च रोजरी की महारानी महागिरजाघर की जानकारी दी गई। शैक्षणिक हब के अंतर्गत विभिन्न विश्वविद्यालयों जिसमें इंदिराकला संगीत विवि, गुरु घासीदास सेंट्रल विवि, पं.सुंदरलाल शर्मा ओपन विवि, मोहमद हिदायतुल्ला लॉ विवि, एम्स, एनआईटी, ग्यारह मेडिकल कॉलेज की जानकारी से रूबरू कराया गया। संगीत के कलाकार पद्मश्री तीजन बाई, झाड़ू राम देवांगन, पुनाराम निषाद, देवदास बंजारे, ममता चंद्रकर कविता वासनिक के संगीत में योगदान व कला के विभिन्न रूपों व क्षेत्रीय त्यौहार तीजा पोरा, हरेली, गौरा गौरी, छेरछेरा, राजिम मेला,परंपरा से संबंधित नृत्य-संगीत कर्मा, ददरिया, सुआ, गेड़ी, राउत नाचा की जानकारी के साथ खनिज व कारखानों जैसे भिलाई इस्पात संयंत्र, नेशनल थर्मल पावर को-आपरेशन कोरबा की जानकारी समस्त भारत से आए शिक्षकों के मध्य साझा की गई. छत्तीसगढ़ के स्वतंत्रता संग्राम सेनानी शहीद वीर नारायण सिंह, पंडित रविशंकर शुक्ल, ठाकुर प्यारे लाल, पंडित सुंदरलाल शर्मा, वामन राव लाखे के विषय में तथा नामी खिलाडियों अंतरराष्ट्रीय तीरंदाज सानंद सलिल मित्रा, हॉकी खिलाड़ी सबा अंजुम, मुक्केबाज राजेंद्र प्रसाद (जिन्हें अर्जुन पुरस्कार मिला) और क्रिकेटर अमनदीप खरे शामिल हैं। महिला हॉकी खिलाड़ी सबा अंजुम को पद्मश्री से भी सम्मानित किया गया है, की भी जानकारी दी गई. छत्तीसगढ़ के पारंपरिक व्यंजनों ठेठरी, खुर्मी, अइरसा, बरा, चीला, फरा, सलोनी के स्वाद का आंनद कराते हुए बनाने की विधि भी बताई गई. कर्मा, सुआ,राउत नाचा, आदिवासी नृत्य के प्रदर्शन से श्रोता झूम उठे कार्यक्रम के अंत में 'पढ़ेला जाबो रे' गीत गाया गया, जिसने खूब तालियां बटोरी। बेमेतरा से अर्पणा शर्मा, अंजलिना पीटर रायपुर, निशा अग्रवाल कोरबा, उमेश ठाकुर, दिलेश्वरी देवांगन कवर्धा, नीलकंठ यादव महासमुंद, प्रिया सिंह सरगुजा, धमतरी से पूर्णिमा मजुमदार, स्नेहलता कुर्रा, योगेश्वरी ध्रुव, नरेंद्र साहू, टीकाराम कुंजाम, मेनका सिन्हा ने उदयपुर मे अपनी शानदार प्रस्तुति से दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया।

अंतरराष्ट्रीय पंडवानी गायिका पद्म विभूषण तीजन बाई से कुलपति प्रो. लवली शर्मा की सौजन्य भेंट

खैरागढ़। इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय खैरागढ़ की कुलपति प्रो. डॉ. लवली शर्मा ने अंतरराष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त पंडवानी गायिका, पद्मश्री, पद्मभूषण और पद्मविभूषण से सम्मानित तीजन बाई से सौजन्य भेंट की। कुलपति ग्राम गनियारी स्थित उनके निवास स्थान पहुंचीं और उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली। तीजन बाई के परिजनों ने बताया कि वे पिछले दो वर्षो से अस्वस्थ हैं और घर पर ही स्वास्थ्य लाभ ले रही हैं। कुलपति ने उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करते हुए उनके स्वास्थ्य का हालचाल जाना। इस दौरान तीजन बाई ने स्नेहपूर्वक कुलपति को आशीर्वाद देते हुए उनके सिर पर हाथ रखकर शुभकामनाएं दीं। भेंट के दौरान प्रसिद्ध पंथी कलाकार पद्मश्री डॉ. राधेश्याम बारले भी मौजूद रहे। कुलपति ने कहा कि तीजन बाई न केवल छत्तीसगढ़ बल्कि पूरे देश और

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लोककला और संस्कृति की जीवंत पहचान हैं। उनसे मिलना और उनका आशीर्वाद पाना अपने आप में गौरव की बात है। उन्होंने यह भी कहा कि इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय लोककला और संस्कृति के संवर्धन और संरक्षण के लिए निरंतर कार्य कर रहा है। तीजन बाई जैसी महान विभूति से आशीर्वाद लेकर इस दिशा में और मजबूती से काम किया जाएगा।

तीजन बाई का योगदान

पंडवानी की प्राचीन परंपरा को जीवंत रखने में तीजन बाई का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। उन्होंने अपने अद्वितीय अंदाज और दमदार प्रस्तुति के माध्यम से न सिर्फभारत में बल्कि विदेशों में भी पंडवानी को नई पहचान दिलाई। यही कारण है कि उन्हें देश के सर्वोच्च सम्मानों, पद्मश्री, पद्म भूषण और पद्म विभूषण से अलंकृत किया गया है।

पितृपक्ष बाल सेवा एवं नन्हे

बेमेतरा। पितृपक्ष के पावन अवसर पर वत्सला संस्था द्वारा प्रतिवर्ष आयोजित होने वाले पितृपक्ष बालभोज सेवा कार्यक्रम का शुभारंभ इस वर्ष नवीन प्राथमिक शाला, नयापारा से किया गया। यह सेवा कार्य पूर्णिमा से अमावस्या तक लगातार 16 दिनों तक चलता है, जिसमें क्षेत्र के आंगनबाड़ी केंद्रों एवं प्राथमिक विद्यालयों के बच्चों को प्रतिदिन खीर, पूरी, बूंदी, आदि प्रसाद स्वरूप भोजन प्रदान किया जाता है। इस वर्ष से सेवा कार्य के साथ 'नन्हे कदम' की सेवा भी दीजाराही है, जिसके अंतर्गत आर्थिक रूप से कमजोर एवं वंचित बच्चों को निःशुल्क स्कूल शूज़ दिए जा रहे हैं। आने वाले दिनों में विभिन्न विद्यालयों से प्राप्त बच्चों की सूची के अनुसार, जूते प्रदान किए जाएंगे। इस अवसर पर संस्था की राष्ट्रीय अध्यक्ष ज्योति सिंघानिया, अध्यक्ष स्वीटी सलूजा, विजया लाखोटिया, कीर्ति सिंघानिया, मंजू मोटवानी, पार्वती दुबे, विद्यालय की प्रधानाचार्या चंद्रकला शर्मा तथा समस्त शिक्षकगण एवं संस्था सदस्यगण उपस्थित रहे। कार्यक्रम में उपस्थित सभी अतिथियों ने इस सेवा कार्य को मानवता की सच्ची साधना बताते हुए इसे समाजहित में प्रेरणादायी और अनुकरणीय पहल के रूप में सराहा।

भारत में रहने वाले प्रत्येक परिवार को न्यूनतम 40 से 50 हजार की बचत होगी : चिमनानी

बेमेतरा। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता, अर्थशास्त्री एवं महालेखाकार के पूर्व सलाहकार एवं सीए अमित चिमनानी ने कहा है कि देश ने कल अब तक के सबसे बड़े कर-सुधारों में से एक जीएसटी में हुए कर-सुधार से आम आदमी के जीवन में अहम और सकारात्मक बदलाव आना तय है।

चिमनानी ने कहा कि केन्द्र सरकार के इस ऐतिहासिक निर्णय से आम आदमी की बचत बढ़ेगी और लगभग 6 लाख करोड़ रुपए की खपत बढ़ेगी और आम आदमी के जीवन-स्तर व देश के आर्थिक परिदृश्य में क्रांतिकारी मजबूती आएगी। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता चिमनानी ने एकात्म परिसर स्थित भाजपा कार्यालय में प्रेस ब्रीफ में पत्रकारों से चर्चा करते हुए नए जीएसटी प्रावधानों से विभिन्न क्षेत्रों में आने वाले सकारात्मक पहलुओं का विश्लेषण करते हुए कहा कि इन प्रावधानों से अब घर बनाना और घर चलाना बेहद सस्ता हो जाएगा। गुड एंड सर्विस टैक्स अब गुड और सिंपल टैक्स के नाम से भी जाना जाएगा।

सीमेंट, टीवी,एसी, रेफ्रिजरेटर,सजावट की वस्तुओं में टैक्स कम, घर बनाना हुआ सस्ता

चिमनानी ने कहा कि सीमेंट, जो घर बनाने की एक बहुत जरूरी वस्तु है, के टैक्स रेट में 10 प्रतिशत की कटौती घर बनाने की लागत को कम करने जा रही है। अक्सर यह माना जाता है कि एक घर में 20 प्रतिशत लागत सीमेंट की ही होती है और अब उसके टैक्स रेट में 10 प्रतिशत की कटौती घर बनाने की लागत में सीधा-सीधा दो प्रतिशत कमी कर देंगे। घर में लगने वाले और उपयोग होने वाले कई सामान, जिनमें टीवी, रेफ्रिजरेटर, डेकोरेशन के सामान, पर भी टैक्स दरों में भारी कटौती से घर बनाने की लागत में महत्वपूर्ण कमी आएगी। यह कमी घर में उपयोग होने वाली वस्तुओं के हिसाब से 5 से 10 प्रतिशत की हो सकती है।घर चलाने के लिए जरूरी हर एक वस्तु पर अब टैक्स की दरों में कमी होने से घर चलाने का बजट भी प्रभावी रूप से कम होगा।

केवल दो दरे होने से लिटिगेशन खत्म होगा

चिमनानी ने कहा कि चार की जगह जीएसटी टैक्स की दो दरें होने से लिटिगेशन के मामलों में भारी कमी होगी। अक्सर यह देखा जाता था के कई वस्तुओं को लेकर उन पर लगने वाली कर की दर पर विवाद होता था और इसको लेकर कई प्रकार के लिटिगेशन कई स्तरों पर लंबित हैं। इससे व्यापारी वर्ग को भी परेशानी का सामना करना पड़ता था। अब चार की जगह दो कर दरे होने से ऐसे विवादों में भारी कमी आएगी।

देश में खपत 6 लाख करोड़ तक बढ़ने की संभावना

भारत सरकार द्वारा किए गए इनकम टैक्स एवं जीएसटी के बदलाव के बाद भारत में खपत लगभग 6 लाख करोड रुपए से बढ़ेगी। इससे जीडीपी में बढ़ोतरी के साथ साथ रोजगार और आर्थिक विकास में भी ज्यादा रफ्तार दिखाई देगी।

7 दिन में रिफंड से एक्सपोर्ट सेक्टर में आयेगा बूम

जीएसटी का रिफंड अब केवल 7 दिनों में होगा जिससे एक्सपोर्ट में भारी उछाल आएगा। इससे स्वास्थ्य शिक्षा और खेती के खर्चों में भी भारी कमी आएगी। चिमनानी ने कहा कि खेती के क्षेत्र में ट्रैक्टर, ट्रैक्टर टायर एवं पार्ट्स, ड्रिप इरिगेशन सिस्टम, एग्रीकल्चर हॉर्टिकल्चर फॉरेस्ट्री मशीन्स पर जीएसटी की दरों में भारी कटौती की गई है। इलेट्रॉनिक सामान 10 प्रतिशत सस्ते हो जाएंगे यानी 50 हजार रुपए मूल्य के सामान पर सीधे-सीधे 5 हजार रुपए की बचत होगी। इसी प्रकार 12 लाख रु. मूल्य की सीएनजी कार पर 1 लाख 20 हजार रुपए की बचत होगी और 20 हजार रुपए के बीमा पर लगभग 4 हजार रुपए की बचत होगी। औसतन एक परिवार अगर वर्ष में 3 लाख 50 हजार रु खर्च करता है तो विभिन्न वस्तुओं के उपयोग पर 40 से 45 हजार रु की बचत प्रत्येक परिवार को होगी। प्रेसवार्ता कार्यक्रम मे मुख्य रूप से बेमेतरा भारतीय जनता पार्टी जिलाध्यक्ष अजय साहू, बेमेतरा विधायक श्री दीपेश साहू, रजककार विकास बोर्ड के अध्यक्ष प्रहलाद रजक, भाजपा प्रदेश मंत्री संध्या परगनिया, नगर पालिका अध्यक्ष विजय सिन्हा, प्रदेश के विशेष आमंत्रित सदस्य राजेंद्र शर्मा, भाजपा कार्यकर्ता हर्षवर्धन तिवारी एवं ललिता साहु उपस्थित थे।

36 वर्षों की सेवा के बाद डॉ. मालती सिंह सेवानिवृत्त

खैरागढ़। शिक्षा के क्षेत्र में 36 वर्षों तक समर्पण और निष्ठा के साथ सेवा देने वाली डॉ. मालती सिंह का माध्यमिक शाला मुतैड़ा में विदाई समारोह बड़े ही भावुक माहौल में संपन्न हुआ। 02 जनवरी 1989 को बतौर शिक्षिका अपनी सेवाएं शुरू करने वाली डॉ. सिंह ने पूरे शिक्षण काल में विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए कार्य करते हुए शिक्षा को समाज की सबसे बड़ी शक्ति के रूप में स्थापित करने का प्रयास किया। सेवानिवृत्ति के अवसर पर डॉ. मालती सिंह ने अपने विभाग, सहकर्मियों और विद्यार्थियों का हृदय से आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि शिक्षा केवल किताबों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह जीवन जीने की कला सिखाती है। बच्चों को ज्ञान देने के साथ-साथ उन्हें हर मुश्किल परिस्थिति का साहसपूर्वक सामना करना सिखाना ही सच्ची शिक्षा है, उन्होंने कहा।

शिक्षिका शिल्पी राय को राज्य अलंकरण सम्मान समारोह में शिक्षा रत्न अलंकरण से किया गया सम्मानित

चयनित शिक्षकों को मंच में बैठा कर दूध मिश्रित जल से धुलाए गए चरण, फिर तिलक चंदन लगा कर की गई शिक्षको की महाआरती

बालोद। शिक्षक दिवस के उपलक्ष्य में, प्रकृति शिक्षण विज्ञान यात्रा संस्था द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य, वैज्ञानिक दृष्टिकोण के प्रचार, विज्ञान के प्रचार प्रसार और अन्य कार्यों के लिए शा. पूर्व माध्य. शाला कुआंगोंदी की शिक्षिका शिल्पी राय को राज्य अलंकरण सम्मान समारोह में शिक्षा रत्न अलंकरण से सम्मानित किया गया। यह सम्मान शिक्षक की मेहनत और समर्पण को पहचानने और प्रोत्साहित करने के लिए दिया जाता है, जो छात्रों को ज्ञान और कौशल प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। शिल्पी राय की सेवाएं और योगदान शिक्षा के क्षेत्र में अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने अपने शिक्षकिय कार्यों एवं नवाचार का प्रस्तुतीकरण प्रॉजेक्टर के माध्यम से मंच पर किया। प्रकृति शिक्षण विज्ञान यात्रा, छत्तीसगढ़ द्वारा 8 सितम्बर को राज्य स्तरीय सम्मान समारोह का आयोजन धमतरी जिले के प्रथम एजुकेशन फाउंडेशन, अकादमिक भवन, राखी मोड़ (चरमुड़िया), कुरूद में सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक किया गया। इस अवसर पर शिक्षा के क्षेत्र में नवाचार, प्रकृति संरक्षण, विज्ञान प्रचार-प्रसार, स्वच्छता, स्वास्थ्य, कला, संस्कृति, समाज सेवा, महिला सशक्तिकरण, रूढ़िवाद उन्मूलन, अंधविश्वास निर्मूलन एवं जन-जागरूकता के क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देने वाले चयनित शिक्षक शिक्षिकाओ तथा 10 बाल विज्ञान संचारकों का पाद प्रक्षालन, पुष्प वर्षा एवं महा आरती कर मोमेंटो, मेडल एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

दूध मिश्रित जल से चरण धुलाए गए

कार्यक्रम की अध्यक्षता अभिषेक शुक्ला, प्रकृति शिक्षण विज्ञान यात्रा, छत्तीसगढ़ तथा मुख्य अतिथि डा. हित नारायण टंडन , सहायक प्रधायापक विभागाध्यक्ष प्राणी विज्ञान, गुरु घासीदास शा. स्नातकोत्तर महाविद्यालय कुरुद धमतरी। विशेष अतिथि के रूप में अजय मण्डावी (पद्मश्री, छत्तीसगढ़), नीरज वर्मा (इसरो साइंस एक्टिविस्ट, महाराष्ट्र), कालिदास नाकाड़े (यंग खगोल विज्ञान समूह, नागपुर), रश्मि वर्मा (आर.के. साइंस सेंटर, नागपुर), नितिन कुमार पटेल (अगस्त्या इंटरनेशनल फाउंडेशन, भोपाल) एवं संजीव कुमार सुर्यवंशी (राज्य प्रमुख, नवाचार गतिविधि समूह, छत्तीसगढ़) मोती लाल देवांगन (प्रथम एजुकेशन फाउंडेशन) उपस्थित रहे। चयनित शिक्षकों को मंच में बैठा कर दूध मिश्रित जल से चरण धुलाए गए, फिर तिलक चंदन लगा कर शिक्षको की महाआरती की गई।

ऐसा सम्मान कही और नही देखा : नारायण

प्रकृति शिक्षण विज्ञान यात्रा के द्वारा राज्य अलंकरण 2025 के कार्यक्रम में विशेष अतिथि पद्मश्री अजय मंडावी ने कहा की शिक्षक वह है, जो इंसानों को गढ़ता है। उन्होंने अपने उदबोधन में कहा कि मैं मूर्तियों को नहीं गढ़ता बल्कि इंसानों को गढ़ने का काम करता हूं, वही काम प्रकृति शिक्षण विज्ञान यात्रा लोगों में जन जागरूकता वैज्ञानिक सोच पैदा करने का कार्य कर रहे है। डॉक्टर हित नारायण टंडन ने कहा जिस प्रकार से एक शिक्षकों का सम्मान इस मंच के द्वारा किया जाता है, वह सम्मान आज तक मैं कहीं और नहीं देखा। इसरो साइंस एक्टिविस्ट नीरज वर्मा ने बस्तर के कई चयनित छात्र-छात्राओं को सतीश धवन श्रीहरी कोटा भ्रमण करने की महत्वाकांक्षी योजनाओं के बारे में विस्तार से बताया। संस्था के अध्यक्ष अभिषेक शुक्ला ने बताया कि यह सम्मान समारोह समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने वाले व्यक्तियों को प्रोत्साहित करने और अन्य लोगों को प्रेरित करने का एक महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करता है। राज्य अलंकरण प्राप्त करने पर शाउमा शाला कुआंगोंदी के प्राचार्य एवं समस्त शिक्षकों ने शिल्पी राय को बधाई संप्रेषित किया।

जीवन के अनुभव साझा किए

डॉ. सिंह ने अपने 36 वर्षों के शिक्षण जीवन के दौरान आए संघर्षों और सुनहरे पलों की यादें उपस्थित लोगों के साथ साझा कीं। उन्होंने बताया कि शुरुआत में संसाधनों की कमी और कठिन परिस्थितियों के बावजूद उन्होंने हमेशा विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य को प्राथमिकता दी। उन्होंने कहा कि विद्यालय और शिक्षकों के संयुक्त प्रयास से ही आज अनेक छात्र-छात्राएं विभिन्न क्षेत्रों में सफलता प्राप्त कर समाज का नाम रोशन कर रहे हैं। यह उनकी सबसे बड़ी उपलब्धि है।

सम्मान और शुभकामनाओं के साथ विदाई

कार्यक्रम के दौरान पूरा विद्यालय परिवार भावुक हो उठा। सहकर्मियों और विद्यार्थियों ने फूल-मालाओं और स्मृति चिन्ह देकर डॉ. सिंह का सम्मान किया। सभी ने उनके दीर्घकालिक योगदान को याद करते हुए उनके स्वस्थ, खुशहाल और सक्रिय जीवन की कामना की। इस मौके पर शिक्षक सिसिर मसी, हेमकिरण साहू, शंकरदयाल चंदेल, स्वेता सिंह सहित कई अन्य शिक्षक व स्टाफ सदस्य मौजूद रहे। सभी ने डॉ. सिंह को शिक्षा जगत की प्रेरणा स्रोत बताते हुए कहा कि उनकी शिक्षाएं और मार्गदर्शन सदैव याद रहेंगे।

शिक्षा जगत के लिए मिसाल

डॉ. मालती सिंह ने अपने कार्यकाल के दौरान न केवल विद्यार्थियों को शिक्षा दी, बल्कि उन्हें संस्कार, अनुशासन और समाज सेवा के मूल्यों से भी परिचित कराया। उनके प्रयासों से अनेक विद्यार्थियों ने जीवन में सफलता प्राप्त कर क्षेत्र और विद्यालय का नाम रोशन किया। सेवानिवृत्ति समारोह में उपस्थित लोगों ने कहा कि डॉ. सिंह का समर्पण आने वाली पीढ़ी के लिए आदर्श रहेगा। उनके जाने से विद्यालय को गहरी कमी महसूस होगी, लेकिन उनकी दी हुई शिक्षाएं और आदर्श हमेशा मार्गदर्शन करते रहेंगे।

संक्षिप्त समाचार

स्वदेशी उत्पादों के अधिकाधिक उपयोग के लिए प्रधानमंत्री ने आम लोगों से किया आह्वान

रायपुर। हाल ही में दिल्ली में यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी युवाओं के साथ किये गये वार्तालाप में देश की अर्धव्यवस्था की मजबूती के लिए स्वदेशी उत्पादों के अधिकाधिक उपयोग पर जोर दिया। प्रधानमंत्री के अनुसार विदेशी वस्तुओं की खरीददारी नहीं करने से जहां आम भारतीयों को रोजगार के अधिक अवसर मिलेंगे। वहीं भारत में निर्मित सामाग्री का उपयोग करने पर गर्व की अनुभूति होगी। प्रधानमंत्री मोदी ने वोकल फार लोकल की खरीददारी पर जोर देते हुए कहा कि इसके लिए दीपावली के अवसर पर बड़ा बाजार स्वदेशी वस्तुओं की खरीददारी के लिए उपलब्ध है। उन्होंने कहा कि गांव गांव में अभियान चलाकर स्वदेशी वस्तुओं के प्रति जागरूकता जगाई जाए। वहीं पोस्टर प्रदर्शनी के माध्यम से भी आम लोगों को स्थानीय खरीददारी के लिए प्रेरित किया जाए। छग प्रदेश में लोकप्रिय मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय द्वारा इन दिनों प्रदेश में स्वदेशी वस्तुओं के क्रय के लिए आमजनों को प्रेरित किया जा रहा है। ऐसी खाद्य वस्तुएं जिन्हें स्थानीय स्तर पर निर्मित किया जाता है। उसका सेवन करने से जहां स्वास्थ्य अच्छा रहता है वहीं साय के अनुसार दीपावली के अवसर पर स्थानीय बुनकरों द्वारा निर्मित दरी गलिचे एवं अन्य वस्त्रों के निर्माण से स्थानीय लोगों को रोजगार मिलेगा। उन्होंने स्वल्पाहार के लिए स्थानीय नास्ते पर जोर दिया इसका प्रमाण गुरु घासीदास संग्रहालय स्थित गढ़कलेवा है जहां पर छग के अलावा अन्य प्रांत के लोग भी छत्तीसगढ़ी व्यंजनों का स्वाद उठाते देखे जाते हैं। खादी ग्रामोद्योग के क्षेत्र में भी स्थानीय स्तर पर कोसा साड़ी का निर्माण एवं अन्य वस्त्र आज अंतराराष्ट्रीय बाजार को आकर्षित करने में सफल रहे है। प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री का यह सद प्रयास जहां देश की अर्धव्यवस्था को मजबूती देगा। वहीं स्थानीय स्तर पर भी युवाओं को रोजगार मिलने से बेरोजगारी दूर होगी। छग में कौशल उन्नयन कार्यक्रम स्टार्टअप एवं लाइलीवुड कालेजों की स्थापना इसी कड़ी में युवाओं को रोजगार की दिशा में अग्रसर करने के लिए सर्वोत्तम कदम है।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में आधुनिक दूरसंचार सुविधा का शुभारंभ

रायपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे ने दूरसंचार सेवाओं को और अधिक आधुनिक और प्रभावी बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बढ़ाया है। रेलवे मुख्यालय, बिलासपुर में महाप्रबंधक श्री तरुण प्रकाश ने नया जीएम इंटरकॉम एक्सचेंज का उद्घाटन किया। इस अवसर पर अपर महाप्रबंधक श्री विजय कुमार साहू, प्रधान मुख्य सिग्नल एवं दूरसंचार इंजीनियर श्री जी.पी. खूंटे, मंडल रेल प्रबंधक बिलासपुर श्री राजमल खोईवाल तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारी और विभागाध्यक्ष उपस्थित रहे। यह नया इंटरकॉम एक्सचेंज एस्टरिस्क आधारित आईपी टेलीकॉम प्रणाली पर काम करता है और वॉइस ओवर आईपी तकनीक को सक्षम बनाता है। टेबलटॉप आईपी फोन के माध्यम से ऑडियो और वीडियो कॉल की जा सकती हैं। इसमें कॉल कॉन्फ्रेंसिंग, वन-टच डायलिंग, वीडियो कॉलिंग, कॉल ट्रांसफर और कॉल फॉरवर्डिंग जैसी कई उन्नत सुविधाएँ उपलब्ध हैं। वीडियो कॉल को बड़े डिस्प्ले यूनिट (टीवी/पीसी) पर भी प्रदर्शित किया जा सकता है, जिससे कार्य प्रक्रिया अधिक पारदर्शी, विश्वसनीय और सुविधाजनक होगी। एस्टरिस्क प्रणाली ओपन सोर्स आधारित है और किसी भी कंपनी के हार्डवेयर के साथ सहजता से काम कर सकती है। इस प्रणाली से रेलवे में कार्य की गति, दक्षता और विश्वसनीयता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। महाप्रबंधक श्री तरुण प्रकाश ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि इस आधुनिक सुविधा को शीघ्र ही रायपुर और नागपुर मंडलों तथा रेलवे आवासों में भी लागू किया जाए, जिससे रेलवे अधिकारियों और कर्मचारियों को व्यापक स्तर पर लाभ मिल सके। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की यह पहल दूरसंचार सेवाओं में नई दिशा प्रदर्शित करती है और प्रशासनिक कार्यों को और अधिक सुगम, प्रभावी और आधुनिक बनाने में मदद करेगी।

नई चेतना जागरूकता पहल महिला कर्मचारियों को मिला सशक्ति करण का संदेश

रायपुर। भारतीय इस्पात प्राधिकरण लिमिटेड सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र (बीएसपी) के एचआरडी केंद्र में महिला संविदा कर्मचारियों के लिए 'मिशन लक्ष्मी' स्वास्थ्य शिविर और 'नई चेतना' महिला अधिकार जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसका उद्देश्य महिलाओं को स्वास्थ्य सजगता, कानूनी अधिकारों की जानकारी और सुरक्षित कार्यस्थल का संदेश देना रहा। कार्यक्रम का संयुक्त आयोजन जेएलएन चिकित्सालय एवं अनुसंधान केंद्र, सीएसआर, औद्योगिक संबंध और मानव संसाधन विभागों के सहयोग से हुआ। मुख्य अतिथि कार्यपालक निदेशक (एचआर) पवन कुमार ने महिलाओं को निवारक स्वास्थ्य देखभाल अपनाने और बच्चों को शिक्षा के लिए प्रेरित करने का आह्वान किया। विशिष्ट अतिथियों में मुख्य महाप्रबंधक (एचआर) संदीप माथुर, मुख्य महाप्रबंधक (नगर सेवाएं एवं सीएसआर) उत्पल दत्ता और मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. कौशलेंद्र ठाकुर शामिल रहे। शिविर में 95 महिला कर्मचारियों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। इसमें रक्त जांच, पैप स्मीयर टेस्ट, हीमोग्लोबिन और ब्लड शुगर की जांच शामिल थी। 25 प्रतिभागियों को क्विज प्रतियोगिता में विजेता घोषित किया गया। विशेषज्ञ सत्रों में डॉ. शुभस्मिता ने बाल स्वास्थ्य व टीकाकरण, डॉ. निशा ठाकुर ने प्रजनन स्वास्थ्य, कैंसर जागरूकता और मासिक धर्म स्वच्छता, जबकि सुश्री पारोमिता दासगुप्ता ने संतुलित आहार और स्वस्थ जीवनशैली पर व्याख्यान दिया। नई चेतना पहल के तहत महिला कर्मचारियों को वेतन भुगतान, वैधानिक प्रावधान, कार्यस्थल सुरक्षा और गरिमापूर्ण वातावरण से जुड़े अधिकारों की जानकारी दी गई। कार्यक्रम का संचालन लता मिश्रा ने किया।

जीवन रक्षा विषय पर संभाग स्तरीय वाद-विवाद प्रतियोगिता सम्पन्न हुआ

रायपुर। सड़क सुरक्षा के प्रति जन जागरूकता बढ़ाने और यातायात नियमों के पालन को प्रोत्साहित करने हेतु आज रायपुर टाउन हॉल में सड़क सुरक्षा ङ्क जीवन रक्षा विषय पर संभाग स्तरीय वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन स्कूल शिक्षा विभाग के मार्गदर्शन, गृह विभाग छत्तीसगढ़ शासन के वित्तीय सहयोग तथा राज्य साक्षरता मिशन प्राधिकरण के तत्वावधान में किया गया। इस प्रतियोगिता का उद्देश्य छात्रों में छुपी प्रतिभा को निखारने, वाकपटुता को प्रोत्साहन देने के साथ-साथ उन्हें सड़क सुरक्षा नियमों के प्रति जागरूक बनाना रहा। कलेक्टर डॉ गौरव सिंह ने कहा कि यातायात नियम का पालन अवश्य करें यह आपकी सुरक्षा के लिए है। उन्होंने कहा कि हेलमेट का उपयोग अवश्य करें।

2100 से अधिक लोगों मिलेगा रोजगार

बस्तर इन्वेस्टर कनेक्ट में 967 करोड़ से अधिक के निवेश प्रस्ताव-साय

- नक्सल उन्मूलन से विश्वास निर्माण तक बदलता हुआ बस्तर
- समावेशी विकास की ओर तेजी से अग्रसर बस्तर
- नियद नेल्ला नार योजना और पुनर्वास नीति से सशक्त हो रहा बस्तर

रायपुर/ संवाददाता

बस्तर आज विकास की स्वर्णिम सुबह का प्रतीक बनकर उभर रहा है। जो क्षेत्र कभी उपेक्षा और अभाव की पहचान से जूझता था, वह अब निवेश, अवसर और रोजगार का नया केंद्र बन रहा है। यहाँ हर क्षेत्र,उद्योग, शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि और पर्यटन में समावेशी विकास की गूंज सुनाई दे रही है। यह बदलाव न केवल बस्तर की तस्वीर बदल रहा है, बल्कि पूरे छत्तीसगढ़ के उज्ज्वल भविष्य की गाथा लिख रहा है। बस्तर के विकास को गति देने के लिए सरकार ने ?5,200 करोड़ की रेल परियोजनाओं को मंजूरी दी है। इनमें रावघाटङ्कजगदलपुर नई रेल लाइन (?3,513.11 करोड़) और केके रेल लाइन (कोत्तवलसा किरंदुल) के दोहरीकरण जैसे महत्वपूर्ण कार्य शामिल हैं। ये परियोजनाएँ न केवल बस्तर में यात्रा, पर्यटन और व्यापार को नई दिशा देंगी, बल्कि युवाओं के लिए बड़े पैमाने पर रोज़गार और औद्योगिक अवसर भी सृजित करेंगी। बेहतर रेल कनेक्टिविटी से नक्सलवाद उन्मूलन के प्रयास और मजबूत होंगे तथा बस्तर विश्वसनीय निवेश और समावेशी विकास का केंद्र बनकर उभरेगा। इसके साथ ही, बस्तर में ?2300 करोड़ की सड़क विकास परियोजनाएँ भी स्वीकृत की गई हैं। कभी नक्सल प्रभावित क्षेत्र के

रूप में जाना जाने वाला यह संभाग अब छत्तीसगढ़ के सबसे विकसित और समृद्ध क्षेत्रों में से एक बनने की राह पर है। राज्य और केंद्र सरकार मिलकर धमतरीङ्कांकेरङ्कोंडागांवङ्कजगदलपुर मार्ग का एक वैकल्पिक रास्ता बना रही हैं, जो कांकेर, अंतागढ़, नारायणपुर के अबूझमाड़ होते हुए दंतेवाड़ा के बारसूर और आगे बीजापुर तक पहुँचेगा। इन परियोजनाओं से बस्तर के सभी जिलों तक पहुँचने के लिए कई रास्ते उपलब्ध होंगे, जिससे दूरियाँ कम होंगी और योजनाओं व विकास कार्यों की पहुँच और अधिक प्रभावी होगी। यह आधुनिक सड़क नेटवर्क न केवल आवागमन की सुविधा बढ़ा रहा है, बल्कि सुरक्षा, शिक्षा, स्वास्थ्य और आर्थिक प्रगति के नए द्वार भी खोल रहा है। इस प्रकार, बस्तर अब संघर्ष की भूमि से आगे बढ़कर संपर्क, समृद्धि और सुरक्षा का प्रतीक बन रहा है। बस्तर में एनएमडीसी द्वारा 43,000 करोड़ तथा सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल हेतु 200 करोड़ का निवेश किया जा रहा है। ये निवेश बस्तर की आधारभूत संरचना को मजबूती प्रदान कर रहे हैं। बड़े सार्वजनिक निवेशों के साथ-साथ लगभग 1,000 करोड़ का निजी निवेश भी सेवा क्षेत्र और एमएसएमई में किया जा रहा है। यह विविधीकृत विकास रोजगार के अवसरों को बढ़ाएगा और समावेशी व सतत विकास को सुनिश्चित करेगा। कुल मिलाकर लगभग 52,000 करोड़ की प्रतिबद्धताओं के साथ बस्तर औद्योगिक और सामाजिक-आर्थिक परिवर्तन का नया केंद्र बन रहा है। जगदलपुर में पहली बार 350 बेड का मल्टी-स्पेशियलिटी निजी अस्पताल और मेडिकल कॉलेज स्थापित होने जा रहा है। इसके लिए रायपुर स्टोन क्लिनिक प्रा. लि. को इनविटेशन टू इन्वेस्ट पत्र जारी किया गया है। 550 करोड़ रुपये के निवेश और 200 रोजगार अवसरों के साथ यह परियोजना बस्तर की स्वास्थ्य सेवाओं को नई ऊँचाई देगी और इसे मेडिकल शिक्षा का केंद्र बनाएगी।

जीएसटी सुधार से आमजनता,व्यापारी व किसानों को मिलेगा सीधा लाभ-भाजपा

रायपुर/ संवाददाता

भारतीय जनता पार्टी प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक किरण देव ने कहा है कि भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत लगातार आर्थिक महाशक्ति बनने की तरफअग्रसर है। आयकर में ऐतिहासिक छूट के बाद अब जीएसटी के स्लैब का सरलीकरण, इसके रेट में अभूतपूर्व सुधार करके रेट को कम करके भारत को विश्व की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने की तरफ हम अग्रसर हो चुके हैं। श्री देव ने कहा कि यह बदलाव आम आदमी के जीवन को खुशहाल करने वाले और व्यापार उद्योग को नई गति देने वाले हैं। इससे न सिर्फ लोगों की बचत में ऐतिहासिक बढ़त होगी, बल्कि जीएसटी कानूनों के सरलीकरण से अब व्यापारी भी अधिक सुगमता के साथ अपना कार्य कर सकेंगे। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक किरण सिंह देव आज मंगलवार को भाजपा जिला कार्यालय में पत्र वार्ता को संबोधित करते हुये कहा कि 1 जुलाई 2017 को जीएसटी लागू होने से पहले तक भारत में 17 प्रकार के टैक्स और 13 प्रकार के सेस लागू थे। इसके अलावा राज्य सरकारें भी मनमाने ढंग से कभी भी कोई भी कर आरोपित कर देती थी। पिछले वर्ष 12 लाख सालाना की आय पर टैक्स नहीं लागू करने का निर्णय लेने के बाद अब जीएसटी में चार स्लैब के बदले दो ही स्लैब रखने, सभी उपयोगी वस्तुओं पर कर शून्य करने और अनेक उत्पादों में कर 10 प्रतिशत

तक कम कर देने से अब वास्तव में भारतीय अर्थव्यवस्था अब जनता के लिए रामराज्य लाने वाला साबित होगा। श्री देव ने कहा कि नए सुधार से सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्योगों को सबसे अधिक लाभ मिलेगा। रोजमर्रा की अनेक वस्तुएँ, ट्रैक्टर व उसके कलपुर्जे व अन्य कृषि उपकरण तथा व्यक्तिगत स्वास्थ्य एवं जीवन बीमा, शैक्षणिक वस्तुओं के साथ ही इलेक्ट्रॉनिक व ऑटोमोबाइल उत्पादों को किफायती बनाया गया है। जीएसटी करदाता 2017 में 66.5 लाख से बढ़कर 2025 में 1.51 करोड़ हो गए हैं। वित्त वर्ष 2024-25 में सकल जीएसटी संग्रह 22.08 लाख करोड़ रुपये रहा, जो केवल चार वर्षों में दोगुना हो गया है। इसका लाभ वस्त्र उद्योग को, विशेष रूप से निर्यात के लिए, होगा। हस्तशिल्प की कम दरें कारीगरों की आजीविका को समर्थन देंगी, विरासत को संरक्षित करेंगी और ग्रामीण आर्थिक विकास को बढ़ावा देंगी। ऑटोमोटिव में स्पष्ट वर्गीकरण से विवाद कम होंगे तथा विनिर्माण और निर्यात में वृद्धि को समर्थन मिलेगा।

पीएम सूर्य घर योजना से अंबिकापुर के धीरेंद्र नाथ दुबे बने बिजली उत्पादक

- बिजली बिल की समस्या से मिली राहत, मुफ्त बिजली से हो रही है बचत

रायपुर/ संवाददाता

सूरज की किरणें धरती पर हर दिन असीम ऊर्जा लेकर आती हैं। यही ऊर्जा पौधों में प्रकाश संश्लेषण कर जीवन को बनाए रखने में मदद करतीं हैं। लेकिन अब तकनीकी विकास के कारण सूर्य घर-घर मुफ्त बिजली का स्त्रोत भी बन रहा है। ये कहानी है अंबिकापुर के प्रतापपुर नाका, शिवधारी कॉलोनी के रहने वाले श्री धीरेंद्र नाथ दुबे की। उन्होंने प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत 5 केवीए का सोलर रूफटॉप सिस्टम लगाकर स्वयं बिजली उत्पादक बनने का मार्ग प्रशस्त किया है। श्री दुबे ने बताया कि पहले हर महीने उनका बिजली बिल औसतन 1500 से 1600 आता था। लेकिन सोलर रूफटॉप लगने के बाद अब अप्रैल माह में उनका बिजली बिल घटकर मात्र 120 रुपए रह गया है। इतना ही नहीं, उन्हें योजना के अंतर्गत मिलने वाली केंद्र सरकार की 78000 सब्सिडी की राशि सीधे उनके बैंक खाते में प्राप्त हो गई है। श्री धीरेंद्र दुबे ने बताया कि योजना का लाभ लेने में उन्हें वित्तीय दिक्कत न हो, इसके लिए ग्रामीण बैंक से तुरंत फाइनेंस सुविधा मिल गई। बैंक की मदद से केवल 5 दिनों में पूरा सोलर सिस्टम स्थापित हो गया। उन्होंने कहा कि सब्सिडी मिलने के कारण यह निवेश मात्र दो वर्ष में ही पूरी तरह वसूल हो जाएगा और उसके बाद वे पूरी तरह मुफ्त में बिजली का उपयोग कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि आज हम सिर्फउपभोक्ता नहीं, बल्कि बिजली उत्पादक भी बन सकते हैं। प्राकृतिक संसाधनों का सही उपयोग कर हम अपने बिजली खर्च को कम कर सकते हैं और पर्यावरण संरक्षण में योगदान दे सकते हैं। श्री दुबे ने केंद्र और राज्य सरकार दोनों का आभार जताते हुए लोगों से इस योजना का लाभ उठाने की अपील की। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की सरकार इस योजना में सब्सिडी दे रही है, साथ ही साथ छत्तीसगढ़ शासन द्वारा 30,000 रुपए की अतिरिक्त सब्सिडी दी जा रही है। इससे उपभोक्ताओं को और भी अधिक राहत मिल रही है। श्री दुबे का कहना है कि यह योजना आम जनता के लिए बड़ी सहूलियत लेकर आई है।

महापौर ने नवोनमेश राष्ट्रीय हैकथॉन के पोस्टर का किया गया विमोचन

रायपुर। संवाददाता

राजधानी शहर रायपुर की प्रथम नागरिक नगर पालिक निगम रायपुर की महापौर श्रीमती मीनल चौबे ने श्री शंकराचार्य व्यवसायिक प्रबंधन तकनीकी संस्थान में रायपुर नगर पालिक निगम के विषय संदर्भ में जलप्रबंधन, कचरा प्रबंधन, परिवहन, यातायात, तालाबो एवं नदी के संरक्षण के विषयो पर आयोजित राष्ट्रीय हैकथॉन नवोनमेश 2025 के पोस्टर का विमोचन किया। महापौर श्रीमती मीनल चौबे ने श्री शंकराचार्य संस्थान के इंजीनियरिंग छात्रो से रायपुर शहर की मौलिक जनसमस्याओं के समाधान के कार्य में जनजागृति लाकर सहभागिता दर्ज कराने की अपील की। महापौर ने कहा कि

राज्य की राजधानी रायपुर शहर में नागरिको को बेहत्तर जीवन शैली देने समस्याओ के निदान में योग्य युवा अपनी महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर सकते है। महापौर ने कहा कि राज्य की राजधानी रायपुर शहर में सुव्यवस्थित जल प्रबंधन करके टंकियो के माध्यम से पाईप लाईन कनेक्ट कर नागरिको के घरो तक नदी का मीठा जल उपलब्ध कराना महत्वपूर्ण कार्य है। वहीं शहर में मानसून में तेज बारिश के दौरान विभिन्न स्थानो पर जलभराव की समस्या आ जाने से नागरिको को होने वाली असुविधा को दूर करने का कार्य किया जाना आवश्यक है। इस हेतु जब से वे महापौर बनी है तब से निरंतर प्रयासरत है कि नगरवासियो की समस्याओ का अच्छी तरह समाधान किया जा सके। नागरिक अपनी समस्याएं लेकर रायपुर नगर निगम आते है जिन्हे सुनकर हर संभव प्रयास समस्याओ के निराकरण का किया जाता है। महापौर श्रीमती मीनल चौबे ने कहा कि निर्धारित मानको के अनुसार स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत स्वच्छ सर्वेक्षण में रायपुर को स्वच्छ शहर बनाने जनता को जागरूक बनाकर लगातार कार्य करना होता है।

छत्तीसगढ़ दौरे पर आएंगे प्रधानमंत्री मोदी, रजत जयंती राज्योत्सव में हो सकते हैं शामिल

रायपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आगामी 31 अक्टूबर को दो दिवसीय दौरे पर छत्तीसगढ़ आएंगे। इस संबंध में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने जानकारी देते हुए बताया कि राज्य अपनी स्थापना के 25 वर्ष पूरे कर रहा है, जिसे रजत जयंती वर्ष के रूप में भव्य तरीके से मनाया जाएगा। इसी कड़ी में इस वर्ष को अटल निर्माण वर्ष घोषित किया गया है, क्योंकि छत्तीसगढ़ का गठन देश के पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की पहल पर हुआ था। मुख्यमंत्री साय ने कोरबा रवाना होने से पहले स्टेट हैंगर में मीडिया से चर्चा करते हुए बताया कि 1 नवंबर को राज्योत्सव रजत जयंती के रूप में मनाया जाएगा, जिसे खास बनाने के लिए सरकार कई कार्यक्रमों की श्रृंखला आयोजित कर रही है।

प्रभारी मंत्री ने जशपुर जिले में संचालित निर्माण कार्यों की ली समीक्षा बैठक

निर्माण कार्यों में गुणवत्ता का रखें विशेष ध्यान: वित्तमंत्री ओपी चौधरी

रायपुर/ संवाददाता

वित्त मंत्री एवं जशपुर जिले के प्रभारी मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी की अध्यक्षता में गुरुवार को जिले में निर्माण एजेंसियों की बैठक लेकर विकास कार्यों की विस्तार से समीक्षा की गई। इस बैठक में प्रभारी मंत्री श्री चौधरी ने वित्तीय वर्ष 2024-25 एवं 2025-26 के बजट में स्वीकृत, प्रगतिरत एवं अप्रारम्भ कार्यों की जानकारी सभी विभागों से ली। उन्होंने जशपुर में पीएम जनमन योजनांन्तर्गत किये जा रहे कार्यों की जानकारी लेते हुए इन्हें प्राथमिकता से पूर्ण कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिले के सुदूर वनांचलों में विकास करना शासन का लक्ष्य है, पीएम जनमन योजना, धरती आबा ग्राम उत्थान योजना द्वारा इन क्षेत्रों का समन्वयित विकास किया जाना है। योजनांन्तर्गत किये जा रहे कार्यों में कार्यों में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखने और कर्मठता के साथ प्रत्येक कार्यों को समय सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों

को आपस में चर्चा कर समन्यव के साथ काम करने की अपील भी की। वित्त मंत्री श्री ओपी चौधरी ने जिले में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए दनगरी जलप्रपात पहुंच मार्ग सहित अन्य आवश्यक निर्माण कार्यों जल्द से जल्द पूरा कराने को कहा। उन्होंने सभी निर्माण कार्य कराने वाले विभागों की समीक्षा कर कहा कि जशपुर एक आदिमजाति बहुल जिला होने के साथ मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय का गृह जिला भी है इसे हमें एक मॉडल के रूप में विकसित करना है। इसके लिए आवश्यक है कि प्रत्येक कार्य को पूर्ण ईमानदारी से गुणवत्तापूर्ण रूप से सम्पन्न कराया जाए। यदि किसी कार्य में गुणवत्ता को लेकर कोई कमी पाई जाती है तो संबंधित अधिकारी के विरूद्ध सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। प्रभारी मंत्री ने वर्षा ऋतु के अंत के साथ सभी कार्यों को तीव्र गति से संचालित करने के निर्देश दिये। उन्होंने पीएमजीएसवाई, डब्लू आर डी, पीडब्लूडी, आरईएस, सीजीएमएससी, हाउसिंग बोर्ड, नगरीय निकायों आदि विभागों के कार्यों की समीक्षा की। इस अवसर पर जनप्रतिनिधियों द्वारा क्षेत्र की समस्याओं एवं विकास कार्यों के संबंध में जानकारी देते हुए समाधान करने एवं निर्माण कार्यों को पूर्ण कराने को कहा। मंत्री श्री चौधरी ने कहा कि शासन जशपुर जिले के विकास के लिए प्रतिबद्ध है। जिले में बड़े विकास कार्यों के साथ हमें छोटे विकास कार्यों को भी प्राथमिकता देनी है क्योंकि ये कार्य सीधे ग्रामीण जनता को लाभान्वित कर लोगों में शासन के प्रति विश्वास को प्रबल करते हैं, इन निर्माण कार्यों में गुणवत्तापूर्ण कार्य निष्पादन भी सुनिश्चित करना अनिवार्य है। जनप्रतिनिधियों द्वारा डिजिटल क्रॉप सर्वे में कुछ ग्रामीणों के रिकॉर्ड में त्रुटि की जानकारी दी गयी, जिस पर उन्होंने तुरंत सुधार करवाने हेतु अधिकारियों को निर्देशित किया। उन्होंने नगरीय निकायों में निर्माण कार्यों की जानकारी लेते हुए नगरों का सौंदर्यीकरण करवाने के निर्देश दिए। इस बैठक में सरगुजा आदिवासी विकास प्राधिकरण की उपाध्यक्ष एवं विधायक पत्थलगांव श्रीमती गोमती साय, विधायक जशपुर श्रीमती रायमुनी भगत, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री सालिक साय, नगर पालिका अध्यक्ष श्री अरविंद भगत, जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री शौर्य प्रताप सिंह जूदेव, नगर पालिका उपाध्यक्ष श्री यश प्रताप सिंह जूदेव, कलेक्टर श्री रोहित व्यास, सहायक कलेक्टर श्री अनिकेत अशोक सहित जनप्रतिनिधि एवं विभागीय अधिकारी शामिल थे।

संपादकीय

आम आदमी को राहत

पिछले कई वर्षों से माल एवं सेवा कर यानी जीएसटी प्रणाली और इसकी दरों को लेकर सवाल उठ रहे थे, लेकिन इस मसले पर सरकार के भीतर कोई खास उत्साह नहीं दिख रहा था। नतीजतन, ऐसी बहुत सारी वस्तुओं पर भी कर के रूप में लोगों को नाहक ही ज्यादा रकम चुकानी पड़ रही थी, जिन्हें अनिवार्य आवश्यकताओं के रूप में जाना जाता है। अब आखिरकार सरकार ने जीएसटी की दरों में बड़े बदलाव की घोषणा की है और इसे आम जनता के लिए भारी राहत के तौर पर पेश किया जा रहा है। हालांकि कई वस्तुओं और सेवाओं पर अब तक लागू कर की दरों में जिस तरह कमी की गई है, उससे अर्थव्यवस्था को भी गति मिलने की उम्मीद जताई जा रही है। इसके तर्कसंगत होने को लेकर जिस तरह के सवाल उठते रहे हैं, उसमें यह निश्चित रूप से एक बड़ा बदलाव है, लेकिन विपक्षी दलों ने इसे बहुत देर से उठाया गया कदम बताया है। गौरतलब है कि बुधवार को जीएसटी परिषद की बैठक में जिन नई दरों को मंजूरी दी गई, उसके तहत बारह फीसद और अट्ठाईस फीसद के स्तर को खत्म कर दिया गया है और अब सिर्फ पांच और अठारह फीसद की दर लागू रहेगी। मगर कुछ खास वस्तुओं पर जीएसटी को चालीस फीसद तक बढ़ा दिया गया है। इसी महीने की बाईस तारीख से लागू होने वाले करों के नए ढांचे में जो बदलाव किए गए हैं, उसके तहत लोगों के लिए आम उपयोग में आने वाली वस्तुओं और सामान्य सेवाओं के मामले में काफी राहत दी गई है। मसलन, खाद्य और डेयरी उत्पाद, दवाएं, तेल, घी, सूखे मेवे, चपाती आदि रोजमर्रा के इस्तेमाल में आने वाली कई उपयोगी चीजों को पांच फीसद के कर-ढांचे में डाला गया है। जबकि जीवन-बीमा सहित कुछ जीवनरक्षक दवाओं पर जीएसटी शून्य कर दी गई है। वहीं, वातानुकूलन यंत्र, टीवी, प्रोजेक्टर सहित कई इलेक्ट्रोनिक चीजों को अठारह फीसद के स्तर में लाया गया है। इससे इतर, बड़े आकार वाली महंगी कारों के साथ-साथ पान मसाला, सिगरेट, गुटखा और कैफीनयुक्त पेय जैसी कुछ चीजों पर अब चालीस फीसद जीएसटी तय की गई है। जाहिर है, नए ढांचे का मकसद आबादी के एक बड़े हिस्से के खर्च और उपभोग को राहत के दायरे में लाकर अर्थव्यवस्था को रफ्तार देना है। यह एक आम हकीकत है कि अगर कोई वस्तु लोगों की आय के मुताबिक क्रयशक्ति की सीमा में होती है, तभी वे उसे खरीदने या उसके उपयोग को लेकर सहज होते हैं। कर की दरों में कमी के बाद वस्तुओं या सेवाओं की कीमतों में जो अंतर आएगा, आम इस्तेमाल में आने वाली चीजों की महंगाई में गिरावट आएगी, उससे बड़ी संख्या में लोग उसके उपभोग के दायरे में आ जाएंगे।

अग्नि-5 मिसाइल को रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने विकसित किया है और इसका प्रक्षेपण भारत की 'स्ट्रैटेजिक फोर्सेज कमांड' के तत्वावधान में किया गया। अग्नि-5 के सफल परीक्षण के साथ भारत के आग्नेयास्त्र भंडार में एक और शक्तिशाली और घातक अस्त्र शामिल हो गया है। पृथ्वी शृंखला और अग्नि-2 जैसी विभिन्न सामरिक और कम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइलों के सफल परीक्षण के बाद भारत ने अग्नि-5 नामक आईआरबीएम (मध्यम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल) बना ली है। हालांकि, अग्नि-5 की सटीक मारक क्षमता अभी सार्वजनिक नहीं की गई है। बाकी सभी आईआरबीएम की मारक दूरी आमतौर पर 3,000 किलोमीटर से 5,500 किलोमीटर के बीच होती है, जो काफी हद तक स्फोटक शीर्ष यानी मुखास्त्र के वजन पर निर्भर करती है। मुखास्त्र का वजन बढ़ने पर मारक सीमा कम हो जाती है।

(संजय बनर्जी, रिटायर्ड कर्नल)

अग्नि-5 - भारतीय उद्यम और पराक्रम की वैश्विक मुनादी

भारतीय उद्यम और पराक्रम के प्रकाश से हमारा पूर्वी क्षितिज उस वक्त जगमगा उठा, जब 20 अगस्त को ओडिशा के चांदीपुर स्थित एकीकृत मिसाइल परीक्षण रेंज से भारत ने अपनी बैलिस्टिक मिसाइल अग्नि-5 का सफल परीक्षण किया। अब्दुल कलाम द्वीप से जब यह मिसाइल दक्षिण में बंगाल की खाड़ी के ऊपर से होते हुए अपने लक्ष्य की ओर बढ़ी, तब इसके भारतीय निर्माता वैज्ञानिकों और इंजीनियरों के साथ दुनिया भर की निगाहें प्रक्षेपण पथ पर टिक गईं, क्योंकि इससे पहले भारत ने नोटम जारी किया था। नोटम दरअसल हवाई क्षेत्र के साथ समुद्री जहाजों के लिए जारी किया जाता है, ताकि इस दौरान कोई विमान या जहाज संबंधित क्षेत्र में न आए।

अग्नि-5 मिसाइल को रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने विकसित किया है और इसका प्रक्षेपण भारत की 'स्ट्रैटेजिक फोर्सेज कमांड' के तत्वावधान में किया गया। अग्नि-5 के सफल परीक्षण के साथ भारत के आग्नेयास्त्र भंडार में एक और शक्तिशाली और घातक अस्त्र शामिल हो गया है। पृथ्वी शृंखला और अग्नि-2 जैसी विभिन्न सामरिक और कम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइलों के सफल परीक्षण के बाद भारत ने अग्नि-5 नामक आईआरबीएम (मध्यम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल) बना ली है। हालांकि, अग्नि-5 की सटीक मारक क्षमता अभी सार्वजनिक नहीं की गई है। बाकी सभी आईआरबीएम की मारक दूरी आमतौर पर 3,000 किलोमीटर से 5,500 किलोमीटर के बीच होती है, जो काफी हद तक स्फोटक शीर्ष यानी मुखास्त्र के वजन पर निर्भर करती है। मुखास्त्र का वजन बढ़ने पर मारक सीमा कम हो जाती है।

इस मिसाइल का विकास स्वदेशी स्तर पर भारत में ही किया गया है। इसके सभी प्रमुख अंग मसलन- तीन चरणों में ईंधन सिलिंडर को सक्रिय करने वाली प्रणाली, परिवहन एवं मार्गदर्शन प्रणाली और हथियार भारत में निर्मित हैं, जो देश के लिए गर्व की बात है। इसकी परिवहन और मार्गदर्शन प्रणाली अत्यधिक जटिल एवं परिष्कृत है, जो भारतीय उपग्रह प्रणालियों से डाटा और इनपुट लेती है। यह विशेषता अग्नि-5 को लंबी दूरी तक अचूक मार करने वाला शक्तिशाली आग्नेयास्त्र बनाता है। यह मिसाइल पारंपरिक और परमाणु, दोनों तरह के हथियारों को ले जा सकती है।

अग्नि-5 का हमारे अस्त्रागार में शामिल होना, देश की सैन्य शक्ति और आत्मनिर्भरता की दिशा में एक बड़ी उपलब्धि है। पाकिस्तान और चीन जैसे हमारे निकटतम पड़ोसियों को जरूर सावधान हो जाना चाहिए। यदि भारत को मजबूर किया जाता है या इसके अस्तित्व को चुनौती मिलती है, तो ऐसी स्थिति में अग्नि-5 को सहयोगी मारक अस्त्र के तौर पर इस्तेमाल किया जा सकता है। इसके अलावा, यह एकीकृत वायु रक्षा कमान एवं नियंत्रण प्रणाली की कमियों को दूर कर उसे और मजबूत कर सकता है। अग्नि-5 की मारक दूरी यदि 5,000 किलोमीटर से ज्यादा है, तो इसके परिष्कृत व हल्के मुखास्त्रों के निशाने पर तुर्किये, यूरोप, रूस के कुछ हिस्से, जापान व ऑस्ट्रेलिया के उत्तर-पश्चिमी जलक्षेत्र सहित पूरे एशिया के देश आसानी से आ सकते हैं। इसकी उच्च-गुणवत्ता वाली लक्ष्य भेदन क्षमता और इसकी परिवहन मार्गदर्शन प्रणाली देश को मिसाइल महाशक्ति बनाती है, जो परमाणु एवं अन्य खतरों का प्रभावी रूप से मुकाबला करने में सक्षम हो गया है।

जाहिर है, भारत की सबसे लंबी दूरी की ऑपरेशनल बैलिस्टिक मिसाइल अग्नि-5 की संख्या व तैनाती का फैसला सर्वोच्च राजनीतिक निकाय सीसीएस (कैबिनेट सुरक्षा समिति) और स्ट्रैटेजिक फोर्सेज कमांड के विशेषज्ञों द्वारा ही किया जाएगा, जो स्वाभाविक रूप से एक गोपनीय विषय है और रहना भी चाहिए।

अगर दुनिया यह सोच रही है कि भारत आगे क्या करने वाला है, तो अग्नि-6 का इंतजार कीजिए। यह एक अंतर-महाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल होगी, जो दुनिया के हर कोने तक मारक क्षमता रखेगी। तथाकथित महाशक्तियों और उनके द्वारा समर्थित दुष्ट राष्ट्रों के पास पहले से ही आईआरबीएम व आईसीबीएम मौजूद हैं। सिर्फ उन्हें ही बैलिस्टिक मिसाइलों के बल पर सत्ता और सुरक्षा का सुख क्यों भोगने देना चाहिए?(ये लेखक के अपने विचार हैं)

भारतीय समाज की तरक्की पर दहेज हत्याओं का दाग

(कमलेश जैन, वरिष्ठ अधिवक्ता, सुप्रीम कोर्ट)

भारत में, खासकर हिंदू विवाह व्यवस्था में दहेज अत्यंत ही पुरानी और लज्जास्पद बीमारी है, जिसके उन्मूलन का प्रयास करते हुए सरकार को लगभग 65 वर्ष हो चुके हैं। गौर कीजिए, साल 1961 में ही दहेज निषेध अधिनियम बना था।

दरअसल, समय के साथ लोगों के जीवन में जैसे-जैसे पैसे आते गए, वैसे-वैसे ही दहेज उत्पीड़न के मामले भी बढ़ते चले गए। इस प्रताड़ना के तरीके भी बदले, बल्कि वीभत्स होते गए। हाल ही में ग्रेटर नोएडा में निक्की भाटी की हत्या इसका ज्वलंत उदाहरण है। खबरों के मुताबिक, निक्की के अमीर पिता ने स्कॉर्पियो कार, बुलेट मोटरसाइकिल, गृहस्थी के लिए जरूरी तमाम आधुनिक सामान के साथ नगद रकम देकर बेटी का धूमधाम से विवाह किया था। ऊपर से निक्की ब्यूटी पॉर्लर चलाकर भी कमा ही रही थी। मगर निक्की के पति का लोभ कभी कम नहीं हुआ। 36 लाख रुपये और मर्सिडीज की मांग न पूरी होने पर उसने न सिर्फ निक्की को मारा-पीटा, बल्कि उस पर ज्वलनशील पदार्थ जलाकर उसे आग के हवाले कर दिया। इस कृत्य को अंजाम देने में निक्की की सास भी भागीदार रही, जिसे उसके छह वर्षीय बेटे ने भी देखा।

ऐसी हत्याओं की संख्या प्रतिवर्ष हजारों में है। एनसीआरबी के आंकड़े बताते हैं कि साल 2022 के अंत तक अदालतों में 60,577 मुकदमे लंबित थे, जबकि उस साल 6,516 महिलाएं दहेज के लिए जान गंवा बैठीं। दरअसल, मुकदमों के फैसलों में अनावश्यक देरी ऐसी लापरवाही है, जो अपराधियों को फलने-फूलने के मौके देती है। कानून के अनुसार, दहेज का अर्थ है, कोई संपत्ति या कीमती चीज, जो विवाह के उपलक्ष्य में एक पक्ष द्वारा दूसरे पक्ष को दी जाती हो। इसका संबंध मुस्लिम विवाह कानून की 'मेहर' से नहीं है। वहां शरीयत कानून लागू होता है।

दहेज कानून का एक महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि इसमें दहेज लेना और देना, दोनों ही अपराध है, जिसकी सजा कम से कम पांच साल कैद और 15 हजार रुपये जुर्माना होगा। इस कानून की धारा-4 के अनुसार, दहेज मांगने पर परिजनों के लिए कम से कम छह महीने की जेल का प्रावधान है, जिसे दो साल तक बढ़ाया जा सकता है। इसमें जुर्माने की राशि न्यूनतम 10 हजार तय की गई है। समय के साथ-साथ दहेज की मांग, मात्रा और आकार-प्रकार बढ़ता गया है। मुझे याद है कि 1980 में बिहार में एक मामला मेरे संज्ञान में आया था, जिसमें एक साइकिल के लिए दुल्हन को स्टोव से जला दिया गया था। धीरे-धीरे मांग और प्रताड़ना बढ़ती गई। आज यह लाखों-करोड़ों में पहुंच चुकी है।

दरअसल, इस आपराधिक कुकृत्य पर रोक न लगते देख भारतीय दंड संहिता में धारा 498-ए लानी पड़ी, जिसमें दुल्हन के उत्पीड़न पर तीन साल तक कैद और जुर्माने का प्रावधान किया गया। शुरू में इस कानून के तहत एफआईआर होते ही, उसमें दर्ज तमाम आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाता था। मगर जब झूठे मुकदमे दर्ज कराए जाने लगे, तो तत्काल गिरफ्तारी पर रोक लगा दी गई।

सवाल यह है कि हमारे देश में यह अपराध क्यों बढ़ता जा रहा है? कानून और अदालतों के पास इसका इलाज क्यों नहीं है? यूरोप या पश्चिम के देशों में ऐसा क्यों नहीं होता? असल में, वहां विवाह या 'लिव-इन रिलेशनशिप' के पहले एक एग्रीमेंट बनाया जाता है, जिसको कानूनी मान्यता प्राप्त है। इसमें तमाम खर्चों और उपहारों की एक सूची बनाई जाती है, जिसको कानूनी दस्तावेज की तरह सुरक्षित रखा जाता है। इसमें किसी भी शर्त को तोड़ने को अदालत के समक्ष लाया जा सकता है। और इसके आधार पर अलग हुआ जा सकता है, उपहारों का बंटवारा हो जाता है। लोग स्वेच्छा से बिना किसी द्वेष-दुश्मनी के अलग हो जाते हैं।

हमारे यहां दहेज-तलाक का मामला हो या कोई और मुकदमा- वह वर्षों तक चलता रहता है, मानो कोई खेल आराम-आराम से खेला जा रहा हो। पति-पत्नी और उनके परिवार की जिंदगी शतरंज की बाजी बन जाती है। समाज का लालच, अदालतों की सुस्ती, न्यायपालिका की आरामपसंदी दरअसल मुकदमों को सुलझाना नहीं चाहतीं। इसलिए न कानून का भय स्थापित हो पा रहा और न इस कुरीति पर प्रभावी रोक लग पा रही है।(ये लेखिका के अपने विचार हैं)

आप वाकई क्या चाहते हैं और क्यों?

(सुंदरचंद ठाकुर)

बहुत बार जब हम थककर, उलझन में या भ्रम में होते हैं, तब हम खुद से यह सवाल नहीं पूछते कि हम वाकई क्या चाहते हैं। हम बस दौड़ते रहते हैं। कभी दौड़ नौकरी की होती है, कभी रिश्तों की, कभी पहचान की और कभी बस एक दिखावे की। लेकिन उस भागदौड़ में क्या आपने कभी रुककर खुद से पूछा है कि मैं सच में चाहता क्या हूँ? यह सवाल बहुत सीधा लगता है, मगर इसका उत्तर उतना ही उलझा हुआ होता है। क्योंकि ज्यादातर लोग वही चाहते हैं जो उन्हें समाज ने सिखाया है ङ्क एक अच्छी नौकरी, सम्मान, पैसा, और एक 'सफल' जिंदगी। पर बहुत कम लोग जानते हैं कि जो वे चाहते हैं, वह उनके अपने दिल की पुकार है या समाज की बनाई हुई कोई नकल।जब हम बचपन में थे, तब हमारी चाहतें सरल थीं। खेलना और कुछ नया सीखना। पर जैसे-जैसे हम बड़े हुए, हमारे चाहने की दिशा दूसरों के प्रभाव में बदलती गई। हमें बताया गया कि डॉक्टर बनना अच्छा है, इंजीनियर बनना सम्मानजनक है और सरकारी नौकरी सुरक्षित है। लेकिन कभी आपने सोचा कि इन सबके पीछे आपका 'क्यों' क्या है? यानी क्यों आपको ऐसा करना चाहिए? क्या आप डॉक्टर इसलिए बनना चाहते हैं क्योंकि आपकी मां चाहती थीं? क्या आप अभिनेता इसलिए बनना चाहते हैं क्योंकि सबका ध्यान चाहिए? क्या आप शादी इसलिए करना चाहते हैं क्योंकि सब कर रहे हैं?यदि आपने अपने हर लक्ष्य के पीछे के 'क्यों' को नहीं टटोला है, तो हो सकता है कि आप ऐसी ज़िंदगी बिता रहे हों जो आपकी अपनी नहीं है। यह 'क्यों' ही है जो जीवन को अर्थ देता है। अगर किसी पहाड़ पर चढ़ना है और पता नहीं कि क्यों चढ़ना है, तो थकान ही थकान मिलेगी। मगर अगर भीतर कोई आग है, कोई गहरा मकसद, तो वह चढ़ाई तपस्या बन जाती है। जो लोग अपने जीवन में स्पष्टता पाते हैं, वे वही लोग होते हैं जिन्होंने अपने क्यों को जान लिया है। एक किसान अगर जमीन पर पसीना बहाता है, तो इसलिए नहीं कि बस मेहनत करनी है, बल्कि इसलिए कि उसे फसल चाहिए और फसल उसके बच्चों का भविष्य है। एक लेखक अगर रात को जागकर शब्दों में जान डालता है, तो इसलिए कि वह अपने भीतर की पीड़ा या प्रेम को दुनिया से बांटना चाहता है।जब तक हम यह नहीं समझते कि हमारी इच्छाएं कहां से आ रही हैं - हमारे मन की गहराई से या किसी बाहरी दबाव से तब तक हम भ्रम में जीते हैं। इसलिए अगली बार जब आप कोई सपना देखें, कोई लक्ष्य तय करें या किसी राह पर चलें, तो खुद से यह दो सवाल जरूर पूछें-क्या मैं वाकई यही चाहता हूं? और क्यों? ये दो सवाल बहुत कुछ साफ कर देंगे। आपके भीतर अगर कोई ऐसी पुकार है जो बार-बार लौटकर आती है, तो उसे अनसुना मत कीजिए। शायद वहीं से आपकी असली जिंदगी शुरू होती है।

याद रखिए- चाहतें वही मूल्य रखती हैं जिनका आधार सचाई पर हो। वरना हम बस भीड़ में एक चेहरा बन जाते हैं। जीवन को दिशा देना है तो उसकी जड़ में उतरिए। जो आप चाहते हैं, वह ही नहीं क्यों चाहते हैं, यह भी जानिए। वहीं से रोशनी फूटेगी। ऊपर व्यक्त विचार लेखक के अपने हैं।

गया में भगवान विष्णु पितृदेव रूप में देते हैं मोक्ष, पिंडदान से 7 पीढ़ियों का होता है उद्धार

भारत में पिंडदान, तर्पण और श्राद्ध कर्म के लिए कई जगहें हैं, लेकिन फाल्गु नदी के तट पर स्थित गया शहर का विशेष महत्व माना जाता है। धार्मिक मान्यता है कि सर्वपितृ अमावस्या के दिन गया में पिंडदान करने से 108 कुल और 7 पीढ़ियों का उद्धार हो जाता है। वहीं यहां पर श्राद्ध कर्म करने से पितरों की आत्मा को शांति मिलती है और मोक्ष की प्राप्ति होती है। इसलिए गया को मोक्ष स्थली भी कहा जाता है। पुराणों में बताया गया है कि प्राचीन शहर गया में स्वयं भगवान विष्णु पितृदेव के रूप में निवास करते हैं।

(अनन्या मिश्रा)

गया को मोक्ष स्थली भी कहा जाता है। पुराणों में बताया गया है कि प्राचीन शहर गया में स्वयं भगवान विष्णु पितृदेव के रूप में निवास करते हैं। ऐसे में आज हम आपको गया में पिंडदान के महत्व के बारे में बताने जा रहे हैं।

भारत में पिंडदान, तर्पण और श्राद्ध कर्म के लिए कई जगहें हैं, लेकिन फाल्गु नदी के तट पर स्थित गया शहर का विशेष महत्व माना जाता है। धार्मिक मान्यता है कि सर्वपितृ अमावस्या के दिन गया में पिंडदान करने से 108 कुल और 7 पीढ़ियों का उद्धार हो जाता है। वहीं यहां पर श्राद्ध कर्म करने से पितरों की आत्मा को शांति मिलती है और मोक्ष की प्राप्ति होती है। इसलिए गया को मोक्ष स्थली भी कहा जाता है। पुराणों में बताया गया है कि प्राचीन शहर गया में स्वयं भगवान विष्णु पितृदेव के रूप में निवास करते हैं।

गया में पिंडदान का महत्व: देशभर में पिंडदान और श्राद्धकर्म के लिए 55 स्थानों को अहम माना गया है। लेकिन इन 55 स्थानों में बिहार के गया को सर्वोपरि माना गया है। बिहार के गया में तर्पण विधि, पिंडदान और श्राद्ध कर्म करने के बाद कुछ शेष नहीं रह जाता है। यहां पर श्राद्धकर्म और पिंडदान करने से व्यक्ति पितृऋण से मुक्त हो जाता है। बता दें कि गया में फाल्गु नदी के तट पर भगवान श्रीराम ने माता सीता के साथ राजा दशरथ की आत्मा की शांति और मोक्ष के लिए यहां पर पिंडदान और श्राद्धकर्म किया था। वहीं महाभारत काल में पांडवों ने भी इसी स्थान पर श्राद्धकर्म और पिंडदान किया था।

पुराणों में भी मिलता है जिक्र: गरुड़ पुराण, वायु पुराण और विष्णु पुराण में भी गया शहर का उल्लेख और महत्व मिलता है। इस तीर्थ स्थान पर पितरों को मोक्ष की प्राप्ति होती है। इसी कारण से गया को मोक्ष की भूमि यानी की मोक्ष स्थली भी कहा जाता है। हर साल गया शहर में पितृपक्ष के दौरान मेला लगता है, जिसको पितृपक्ष मेला भी कहा जाता है। यह शहर हिंदुओं के साथ बौद्ध धर्म के लिए भी पवित्र स्थल माना जाता है। बोधगया को भगवान बुद्ध की भूमि भी कहा जाता है। बौद्ध धर्म के अनुयायियों ने यहां पर अपनी शैली में यहां कई मंदिरों का निर्माण करवाया है।

पौराणिक कथा: बता दें कि गयासुर नामक असुर ने कठोर तप कर ब्रह्माजी से वरदान मांगा। उसने मांगा कि उसका शरीर पवित्र हो जाए और लोग उसके दर्शन करके पाप मुक्त हो जाएं। इस वरदान के बाद से लोगों में भय खत्म हो गया और पाप करने लगे। पाप करने के बाद लोग गयासुर के दर्शन करते और पाप मुक्त हो जाते थे। ऐसा होने से स्वर्ग और नरक का संतुलन बिगड़ने लगा। इस तरह से बड़े से बड़ा पापी भी स्वर्ग पहुंचने लगा।

गया में विराजमान हैं भगवान विष्णु: इन सबसे बचने के लिए देवतागण गयासुर के पास गए और यज्ञ करने के लिए पवित्र स्थान की मांग की। तब देवताओं को यज्ञ के लिए गयासुर ने अपना शरीर ही दे दिया और कहा कि मेरे ऊपर यज्ञ करें। जब गयासुर लेट गया तो उसका शरीर पांच कोस में फैल गया। यह पांच कोस आगे जाकर गया बन गया। गयासुर के पुण्य प्रभाव से यह स्थान तीर्थ के रूप में जाना गया। यहां पर पहले विविध नामों से 360 वेदियां थीं, लेकिन अब सिर्फ 48 वेदियां बची हैं। गया में भगवान श्रीहरि विष्णु गदाधर के रूप में विराजमान हैं। गयासुर के विशुद्ध शरीर में ब्रह्मा, विष्णु, शिव और प्रपितामह निवास करते हैं। इसलिए इस स्थान को पिंडदान और श्राद्धकर्म के लिए उत्तम माना जाता है।

कोण्डागांव जिला गढ़ रहा नया इतिहास, जिला अस्पताल में लेप्रोस्कोपिक पद्धति से किडनी का सफल ऑपरेशन

कोण्डागांव। जिला अस्पताल ने नया इतिहास रचते हुए पहली बार लेप्रोस्कोपिक पद्धति से किडनी का सफल ऑपरेशन किया है। यह उपलब्धि न केवल चिकित्सीय दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि आर्थिक तंगी झेल रही एक महिला के जीवन के लिए वरदान साबित हुई। कोण्डागांव के बाजारपारा की सावित्री कोर्राम (35) के पति स्व. दिनेश कोर्राम का निधन कुछ वर्ष पूर्व हो गया था। इसके बाद सावित्री ने लोगों के घरों में झाड़ू-पोछा और बर्तन साफ करने का काम कर किसी तरह अपने दो बेटियों और दो बेटों का पालन पोषण शुरू किया। लेकिन तकलीफें यहीं खत्म नहीं हुई। लगभग दो साल पहले उन्हें गंभीर किडनी रोग की पहचान हुई। लगातार लघुशंका की परेशानी के चलते सावित्री ने मेहनत की कमाई से विशाखापत्तनम में जांच करवाई, जिसमें किडनी में सूजन की पुष्टि हुई और तत्काल इलाज जरूरी बताया गया। आर्थिक अभाव के चलते वह वापस लौट आई। बाद में उन्होंने रायपुर एम्स का रुख किया, पर वहां लंबी वेटिंग और इलाज के दौरान ठहरने की समस्या उनके लिए असंभव साबित हुई। अंततः उन्होंने जिला अस्पताल कोण्डागांव से संपर्क किया। जिला अस्पताल के डॉक्टर एस. नगुलन व टीम ने जांच कर बताया कि उनकी एक किडनी पूरी तरह खराब हो चुकी है और उसे निकालना ही एकमात्र विकल्प है। सामान्य ऑपरेशन में बड़े चीरे और संक्रमण का खतरा अधिक होता, विशेषकर मजदूर तबके की सावित्री जैसी महिला के लिए। इस स्थिति को देखते हुए डॉक्टर नगुलन ने लेप्रोस्कोपिक पद्धति से ऑपरेशन करने का निर्णय लिया। इस तकनीक में शरीर में छोटे छोटे छेद कर दूरबीन की सहायता से किडनी निकाली जाती है। 4 सितंबर को जिला अस्पताल में यह ऑपरेशन किया गया और यह पूर्णतया सफल रहा। सावित्री अब तेजी से स्वास्थ्य लाभ ले रही हैं।

उन्होंने बताया कि पहले इलाज के लिए आर्थिक तंगी और सामाजिक दबाव के कारण जीवन समाप्त होता हुआ नजर आ रहा था, लेकिन जिला अस्पताल में आयुष्मान कार्ड के जरिए उनका निःशुल्क उपचार हुआ, जिससे उन्हें नया जीवन मिला। इस ऐतिहासिक ऑपरेशन में डॉक्टर अनिल देवांगन, डॉक्टर कृष्णा मरकाम, ओटी हेड नर्स स्वप्नलेखा, स्टाफ नर्स हेमंत मंडावी, संजना जैन, रामेश्वरी, अर्चना, साधना, रीना और अन्य स्टाफ की अहम भूमिका रही।

पुलिस-नक्सली मुठभेड़ सर्चिंग के दौरान 1 ईनामी माओवादी का शव बरामद

कांकेर। पुलिस अधीक्षक कांकेर आई.के.एलिसेला द्वारा बताया गया कि कांकेर-नारायणपुर सीमावर्ती क्षेत्र के मध्य जंगल में डीआरजी एवं बीएसएफ की संयुक्त पार्टी के द्वारा सर्चिंग अभियान प्रारंभ किया गया। अभियान के दौरान थाना परतापुर के ग्राम गेड़ाबेड़ा जंगल पहाड़ी क्षेत्र में पुलिस-नक्सली मुठभेड़ हुआ। मुठभेड़ पश्चात् घटना स्थल की सर्चिंग के दौरान घटना स्थल से 01 पुरुष माओवादी का शव बरामद किया। 303 रायफल, 01नग वाकी टॉकी सेट 01नग, अन्य नक्सली सामग्री भी बरामद हुई। पुलिस अधीक्षक कांकेर आई.के.एलिसेला द्वारा बताया गया कि मुठभेड़ में मारे गए माओवादी की शिनाख्त पीएलजीए मिलिट्री कंपनी 05 सदस्य मासा (ईनाम 08 लाख रूपये) के रूप मे की गई है। पुलिस महानिरीक्षक, बस्तर रेंज, सुन्दरराज पी. ने कहा कि विषम भौगोलिक परिस्थितियों और कठिन मौसम के बावजूद, बस्तर में तैनात पुलिस एवं सुरक्षा बल भारत सरकार तथा छत्तीसगढ़ शासन की मंशा के अनुरूप और बस्तरवासियों की आकांक्षाओं के अनुरूप जनजीवन और संपत्ति की सुरक्षा हेतु पूर्ण निष्ठा के साथ कार्य कर रहे हैं। पुलिस महानिरीक्षक ने माओवादी कैडरों से अपील की कि वे यह यथार्थ स्वीकार करें कि माओवाद समाप्ति के कगार पर है। अब समय आ गया है कि वे हिंसा का मार्ग त्याग कर सरकार की पुनर्वास नीति का लाभ उठाते हुए मुख्यधारा से जुड़ें। यदि वे अवैध और हिंसक गतिविधियाँ जारी रखते हैं, तो उन्हें कठोर परिणाम भुगतने होंगे।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का जगदलपुर एयरपोर्ट में किया गया आत्मीय स्वागत

जगदलपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का जगदलपुर में मां दंतेश्वरी हवाई अड्डे पर आत्मीय स्वागत किया गया। वे उद्योग विभाग द्वारा आयोजित इन्वेस्टर कनेक्टर और दिव्यांग जनों को सहायक उपकरण वितरण कार्यक्रम में शामिल होंगे। मुख्यमंत्री साय के साथ उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा, वन मंत्री केदार कश्यप, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन, सांसद महेश कश्यप, मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव सुबोध सिंह, सचिव राहुल भगत भी पहुंचे हैं। हवाई अड्डे पर जगदलपुर विधायक किरण सिंह देव, चित्रकोट विधायक विनायक गोयल, जगदलपुर के महापौर संजय पांडेय, पूर्व विधायक डॉ सुभाऊ कश्यप सहित अन्य जनप्रतिनिधियों और कमिश्नर डोमन सिंह, आईजी सुंदर राज पी., कलेक्टर हरिस एस, पुलिस अधीक्षक शलभ सिन्हा ने मुख्यमंत्री और मंत्रियों का स्वागत किया।

न्यायालय जाने वाले मार्ग की स्थिति पर मांगी गई विस्तृत रिपोर्ट

कोण्डागांव। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने जनपद पंचायत केशकाल से व्यवहार न्यायालय केशकाल जाने वाले मुख्य मार्ग की स्थिति पर विस्तृत प्रतिवेदन मांगा है। इस संबंध में अधिवक्ता संघ कोण्डागांव से कहा गया है कि मार्ग की वर्तमान स्थिति, निर्माण कार्य, सुरक्षा मानकों तथा अन्य व्यवस्थाओं की जानकारी प्रस्तुत की जाए। उल्लेखनीय है कि 28 अगस्त को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा जिला प्रशासन को जानकारी उपलब्ध कराने हेतु निर्देश दिए गए थे, जिसके बाद अब अधिवक्ता संघ से भी विस्तृत रिपोर्ट मांगी गई है। पत्र में स्पष्ट किया गया है कि राष्ट्रीय राजमार्ग से न्यायालय जाने वाले मार्ग पर गड्ढे, दरारें और जोखिमपूर्ण खाइयों की स्थिति के चलते यात्रियों को परेशानी हो रही है। साथ ही यह भी जांचा जाएगा कि इस मार्ग पर निर्धारित सुरक्षा मानकों के अनुसार कार्य हुआ है या नहीं। निर्देशानुसार अधिवक्ता संघ के जिलाध्यक्ष दीपक ठाकुर और वरिष्ठ अधिवक्ता गोपाल दीक्षित 15 दिनों के भीतर इस संबंध में तथ्यात्मक प्रतिवेदन प्रस्तुत करेगा।

सड़के ग्रामीण अंचल की जीवन रेखा : कलेक्टर

नारायणपुर। कलेक्टर प्रतिष्ठा ममगाई ने राष्ट्रीय राजमार्ग और लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों का बैठक लेकर खराब सड़को को शीघ्र मरम्मत करने के निर्देश दिए। कलेक्टर के निर्देशन में जिले के खराब सड़को को राष्ट्रीय राजमार्ग और लोक निर्माण विभाग के द्वारा नारायणपुर से कोंडागांव राष्ट्रीय राजमार्ग एनएच 130डी का मरम्मत कार्य बखरूपारा से प्रारंभ होकर गढ़बेंगाल तक लगभग एक किलोमीटर का मरम्मत कार्य पूर्ण हो गया है। राष्ट्रीय राजमार्ग विभाग के एसडीओ जीएस सोरी ने बताया है कि बखरूपारा में बिल्डर मशीन से खराब सड़क को लेवल किया जा रहा है, लेवल करने के बाद जीएसबी मॉट्रियल गडढ़ों को भरने का कार्य किया जा रहा है। लोक निर्माण विभाग के कार्यपालन अभियंता संजय चौहान ने जानकारी देते हुए बताया है ग्राम गरावण्ड से मुंजमेटा तक लगभग एक किलोमीटर सड़क का मरम्मत कार्य पूर्ण कर लिया गया है।

आगामी दिनों में शेष खराब सड़कों पर भी कार्य जारी रहेगा। इसी प्रकार राजमार्ग एसएच क्रमांक-5 ओरछा मार्ग का मरम्मत कार्य शुरू कर दिया गया है। उन्होंने जानकारी देते हुए बताया है कि यह मार्ग लंबे समय से क्षतिग्रस्त हो गया था। कलेक्टर के निर्देशन में 10 सितम्बर को मरम्मत कार्य प्रारंभ कर दिया गया है, जिससे लोगो को आवागमन में सुविधा मिलने लगेगी। इस मार्ग की मरम्मत की मांग स्थानीय लोगों द्वारा लगातार की जा रही थी। अब लोक निर्माण विभाग द्वारा त्वरित पहल करते हुए मरम्मत कार्य प्रारंभ कर दिया गया है। सड़क की जर्जर स्थिति के कारण आमजन, विशेषकर ग्रामीणों को यातायात में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। वहीं बारिश के दिनों में स्थिति और भी गंभीर हो गई थी।कलेक्टर प्रतिष्ठा ममगाई ने कहा कि सड़कें ग्रामीण अंचलों की जीवन रेखा होती हैं।

बेहतर सड़क सुविधा से न केवल आवागमन आसान होगा बल्कि शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार एवं व्यापारिक गतिविधियों में भी तेजी आएगी। लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों ने बताया कि गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देते हुए निर्धारित समय सीमा में सड़क मरम्मत कार्य पूर्ण करने का लक्ष्य रखा गया है।

बारसी उतारनी रस्म के साथ रथ निर्माण की प्रक्रिया प्रारम्भ

जगदलपुर। विश्व प्रसिद्ध बस्तर दशहरा के तीसरे प्रमुख अनुष्ठान बारसी उतारनी रस्म विधि-विधान के साथ संपन्न हुई। यह रस्म 75 दिनों तक चलने वाले इस अनूठे त्योहार में रथ निर्माण की शुरुआत का प्रतीक है। बस्तर के ऐतिहासिक दशहरा में इस रस्म का विशेष महत्व है, जिसमें रथ बनाने के लिए उपयोग होने वाले पारंपरिक औजारों जैसे बारसी, कुल्हाड़ी, हथौड़ा आदि की पूजा की जाती है। स्थानीय कारीगरों और समुदाय के लोगों ने इस पारंपरिक रस्म में उत्साहपूर्वक भाग लिया। पूजा के बाद रथ निर्माण की प्रक्रिया शुरू की गई। इस वर्ष चार छक्के के फूल रथ का निर्माण किया जाएगा। इस रथ पर आरूढ़ होकर मां दंतेश्वरी द्वारा बुधवार 24 सितंबर तृतीया तिथि से सोमवार 29 सितम्बर सप्तमी तिथि तक प्रतिदिन नव निर्मित फूल रथ की परिक्रमा होगी। यह रस्म पाट जात्रा और डेरी गढ़ाई जैसी शुरुआती रस्मों के बाद संपन्न हुई, जो रथ निर्माण की प्रक्रिया प्रारम्भ करने का प्रतीक है। बस्तर दशहरा, जो अपनी सांस्कृतिक और आदिवासी परंपराओं के लिए जाना जाता है, न केवल स्थानीय लोगों बल्कि देश-विदेश के पर्यटकों को भी आकर्षित करता है। बारसी उतारनी के सफल समापन के साथ ही अब त्योहार के अगले चरणों की तैयारियां जोरों पर हैं।

डोंगरीगुड़ा के बीच सड़क हादसा खड़ी ट्रक से टकराई बाइक, एक युवक की मौत, दूसरा गंभीर

कोण्डागांव। सिटी कोतवाली कोण्डागांव अंतर्गत बफना - फरसगांव - डोंगरीगुड़ा के बीच बुधवार देर शाम खड़ी ट्रक से टकराने के कारण बाइक सवार एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसके साथ बैठा दूसरा युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। जानकारी के अनुसार, उमरकोर्ट (ओडिसा) पहुंच मार्ग में बफना - फरसगांव - डोंगरीगुड़ा के पास पिछले तीन दिनों से एक ट्रक बीच सड़क पर खड़ी थी। इसी बीच मूसलाधार बारिश के दौरान बाइक सवार युवक ट्रक से जा टकराए। टक्कर इतनी भीषण थी कि एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरे युवक को गंभीर हालत में कोण्डागांव सिटी कोतवाली पुलिस ने जिला अस्पताल पहुंचाया। घायल का इलाज जारी है। हादसे की खबर मिलते ही ग्रामीणों में भारी आक्रोश देखने को मिला। लोगों ने सड़क पर खड़े ट्रक के खिलाफ कड़ी नाराजगी जताई, जिससे कुछ देर के लिए मार्ग पर तनाव की स्थिति बनी रही। फिलहाल पुलिस मृतक और घायल दोनों की शिनाख्त में जुटी है। मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल के शवगृह भेजा गया है।

गांजा तस्करों पर कोंडागांव पुलिस की कार्यवाही

कोण्डागांव। अवैध मादक प्रदर्थ गांजा के तस्करी कर अंकुश लगाने पुलिस अधीक्षक वाय. अक्षय कुमार भा.पु.से. के निर्देशन में अति. पुलिस अधीक्षक कौशलेन्द्र देव पटेल के मार्गदर्शन एवं पुलिस अनुविभागीय अधिकारी कोण्डागांव रूपेश कुमार के नेतृत्व में टीम गठित कर गांजा तस्करों के विरूद्ध कार्यवाही करने हेतु निर्देश प्राप्त हुआ है। इसी तारतम्य 7 सितंबर को सूचना मिली कि ग्राम दुधगॉव के पास एन.एच. 30 मेन रोड में एक सफे द रंग के बेलेनो कार कमांक 05 । 3674 के चालक द्वारा एक्सीडेन्ट कर क्षतिग्रस्त हालात में रोड किनारे पड़े होने की सूचना मिलने पर ग्राम दुधगॉव पहुँचे एवं एक्सीडेन्ट से आहत् व्यक्ति को अस्पताल भेजा बाद एक्सीडेन्ट में क्षतिग्रस्त वाहन बेलेनो कार वाहन के पास पहुंचकर वाहन मे बैठा व्यक्ति को पूछने पर अपना नाम अनुराग सोनी पिता राज कुमार सोनी उम्र 28 वर्ष निवासी रामबाग धमतरी, जिला धमतरी (छ.ग.) का रहने वाला बताया एवं उनके आधिपत्य के क्षतिग्रस्त कार चेक करने पर कार के डिक्की मे दो पैकेट सेलो टेप में लिपटा हुआ कुल 14.300 कि.ग्रा. कीमत 140000 रूपये अवैध मादक पदार्थ गांजा एवं परिवहन में प्रयुक्त वाहन एक सफे द रंग के बलेना कार व एक नग मोबाइल कीमती करीबन 3000 रूपये कुल जुमला 7,43,000/ रूपये को आरोपी के कब्जे से जब्त किया गया एवं आरोपी का कृत्य अपराध धारा 20 (ख) एनडीपीएस एक्ट पाये जाने से अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना मे लिया गया। विवेचना के दौरान घटना मे प्रयुक्त वाहन के वाहन स्वामी लोकेश गोयल पिता स्व. जसराज गोयल उम्र 33 वर्ष निवासी सदर दक्षिण मार्ग, थाना सिटी कोतवाली जिला धमतरी छ.ग. को पूछताछ करने पर अवैध मादक पदार्थ गांजा का परिवहन उसके वाहन से करने एवं उसकी संलिप्तता पाये जाने से 8 सिंतबर को आरोपीगण 01. अनुराग सोनी पिता राज कुमार सोनी उम्र 28 वर्ष निवासी रामबाग धमतरी जिला धमतरी (छ.ग.) 2 लोकेश गोयल पिता स्व. जसराज गोयल उम्र 33 वर्ष निवासी सदर दक्षिण मार्ग धमतरी थाना सिटी कोतवाली धमतरी जिला धमतरी छ.ग. ।

हाई स्कूल उड़ीदगांव में थाना मकड़ी पुलिस द्वारा लगाया गया चलित थाना

कोण्डागांव। पुलिस अधीक्षक जिला कोण्डागांव वायव अक्षय कुमार (भा.पु.से.) के निर्देशन में एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कोंडागांव कोशलेन्द्र देव पटेल तथा पुलिस अनुविभागीय अधिकारी कोंडागांव रुपेश कुमार के मार्गदर्शन में माकड़ी पुलिस द्वारा नवीन आपराधिक कानून, साइबर अपराध ,महिला अपराध, यातायात नियम नशा मुक्ति के बारे में लोगों का को जागरूक करने के लिए थाना माकड़ी क्षेत्र में लगातार जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसी परिपेक्ष्य में आज दिनांक 10.09 .25 को निरीक्षक विकास बघेल थाना प्रभारी माकड़ी के नेतृत्व में हाई स्कूल उड़ीदगांव में चलित थाना लगाकर स्कूल में उपस्थित सभी छात्र-छात्राओं, गुरुजनों को भारत सरकार द्वारा लागू किए गए तीन नए कानून के संबंध में साइबर अपराध एवं साइबर अपराधों से खुद को बचाने के तरीकों के बारे में तथा महिला एवं बच्चों से संबंधित अपराधों व यातायात नियमों का पालन करने एवं नशा मुक्ति के तहत नशीली दवाओं के खतरों के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी देकर जागरूक किया गया है।

हत्या के आरोपी को कोण्डागांव पुलिस ने किया गिरफ्तार

कोण्डागांव। मामले का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है कि 10 सितंबर को प्रार्थी सन्तु राम कोर्राम पिता खुटी कोर्राम उम्र 62 वर्ष निवासी धनपुर की रिपोर्ट दर्ज कराया कि उसकी पुत्री रजबती नेताम का विवाह धनपुर निवासी प्रेम नेताम के साथ 09 वर्ष पूर्व हुआ था जिसके दो बच्चे हैं उसकी बेटी व दामाद दोनो शराब पीने के आदि हैं, 9 सितंबर को प्रेम नेताम काम करके वापस अपने घर आया तब रजबती नेताम घर पर नहीं थी बार बार शराब पीने घर से बाहर जाने के आदत से परेशान होकर आसपास तलाश किये नहीं मिलने पर ग्राम फुकागिरोला मामा के घर जाकर मामी रयबी मरकाम से रजबती नेताम के बारे में पूछा प्रेम नेताम को देखकर रजबती नेताम घर में छुप रही थी तब गुस्से में आकर पास में पड़े लडकी के डंडा एवं बड़गा से मारा एवं अपने घर लेकर आया और फिर लकड़ी डण्डा से मारकर कर हत्या कर दिया कि प्रार्थिया की रिपोर्ट पर थाना कोण्डागांव में अपराध क्रमांक 301/2025 धारा 103(1) बीएनएस. के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना कार्यवाही में लिया गया। मामले के गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक वाय. अक्षय कुमार भा.पु.से. के निर्देशन में अति. पुलिस अधीक्षक कौशलेन्द्र देव पटेल के मार्गदर्शन एवं पुलिस अनुविभागीय अधिकारी कोण्डागांव रूपेश कुमार के पर्यवेक्षण में तत्काल थाना कोण्डागांव की टीम तैयार कर आरोपी प्रेम नेताम पिता सुखराम नेताम जाति मुरिया उम्र 26 वर्ष निवासी ग्राम धनपुर थाना व जिला कोण्डागांव को घर ग्राम धनपुर में मिलने पर अभिरक्षा में लेकर कड़ाई से पूछताछ किये जो आरोपी ने बताया कि 9 सितंबर को प्रेम नेताम काम करके वापस अपने घर आया तब रजबती नेताम घर पर नहीं थी बार बार शराब पीने घर से बाहर जाने के आदत से परेशान होकर आसपास तलाश किये नहीं मिलने पर ग्राम फुकागिरोला मामा के घर जाकर गुस्से में आकर पास में पड़े लकड़ी के डंडा एवं बड़गा से मारकर हत्या कर दिया।

सुरक्षा की दृष्टि से विश्वकर्मा पूजा पर एनएमडीसी किरंदुल खदानों में भ्रमण पर लगा प्रतिबंध

किरंदुल। एनएमडीसी की किरंदुल खदान उत्कृष्ट लौह अयस्क के लिए बेहद प्रसिद्ध हैं।खदानों में प्रतिवर्ष विश्वकर्मा पूजा वृहद स्तर पर मनाई जाती हैं।बैलाडीला की खदानों में हजारों की संख्या में सैलानी विश्वकर्मा पूजा में हर वर्ष यहां आते हैं और इन खदानों में चले रहे खनन कार्यो व विशालकाय मशीनों तथा प्राकृतिक छटा का मनमोहक दृश्यों का आनंद लेते हैं। किन्तु इस बार दंतेवाड़ा जिले में अत्यधिक बारिश और बाढ़ ने जनजीवन अस्त व्यस्त कर दिया हैं।बैलाडीला की पहाड़ियों पर भी भूस्खलन और सड़कों पर फिसलन बढ़ने की आशंका बनी रहती हैं।बैलाडीला की खदानों में मानसून के दौरान अत्यधिक बारिश और कोहरा छाया रहता हैं और भू स्खलन की संभावना बनी रहती हैं।खदानों में जाने के लिए खतरनाक मोड़ और सर्पिली रास्ते हैं।सैलानियों के जीवन की सुरक्षा और खनन कार्यों की संवेदनशीलता को ध्यान में रखते हुए किसी भी अप्रिय घटना न हो, इन्हीं सब कारणों से इस बार एनएमडीसी बीआईओएम किरंदुल कॉम्प्लेक्स प्रबंधन ने विश्वकर्मा पूजा पर आमजनों को माइन्स 14,11/सी,11/बी और अन्य संयंत्रों में आने-जाने और निजी वाहनों के प्रवेश पर गुरुवार दोपहर 03 बजे पूर्णतः प्रतिबंध लगा दिया हैं।

बनियागांव में जुआ खेलते सात गिरफ्तार 3.45 लाख रुपए से अधिक की सामग्री जब्त

कोण्डागांव। कोण्डागांव सिटी कोतवाली पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर बनियागांव में मंडी के पास शिव मंदिर के पीछे चल रहे जुए के अड्डे पर छापामार कार्रवाई की। पुलिस ने मौके से सात लोगों को रंगे हाथ पकड़ा और उनके पास से 25,400 रुपए नगद, 98 ताश के पत्ते, 7 मोबाइल फोन, 1 स्कूटी व 7 मोटरसाइकिल समेत कुल 2.5 लाख रुपए से अधिक की सामग्री जब्त की। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार आरोपियों में बनियागांव निवासी राजू सेठिया (25), विनय कोर्राम (40) व सोनावाल निवासी राजेश्वर साहू (31) , चौतलाल सेठिया (24), हरिश सेठिया (40), उमेश सेठिया (40) और नागेंद्र नेताम (41) शामिल हैं। कार्यवाही के दौरान सिटी कोतवाली कोण्डागांव टीम में उप निरीक्षक गुलाब टंडन, साइबर निरीक्षक सौरभ उपाध्याय, साइबर सेल एवं थाना स्टाफ मौजूद रहे। जब्त सामग्री में 7 एंड्रॉइड मोबाइल, 8 दोपहिया वाहन तथा नकदी शामिल है, जिसकी कुल अनुमानित कीमत लगभग 3.45 लाख रुपए बताई गई है। आरोपियों के खिलाफ छत्तीसगढ़ जुआ (प्रतिषेध) अधिनियम 2022 की धारा 3 के तहत अपराध दर्ज किया गया है। चूंकि अपराध जमानतीय श्रेणी का है, इसलिए आरोपियों को मौके पर ही मुचलका जमानत पर रिहा कर दिया गया।

आकाशीय बिजली से टूटी हाईटेंशन लाइन, करंट की चपेट में आई महिला, हालत गंभीर

कोण्डागांव। नगर के जामकोट पारा में बुधवार की शाम आकाशीय बिजली गिरने से बड़ा हादसा हो गया। आकाशीय बिजली की चपेट में आने से 11 केवी की लाइन टूटकर नीचे गिर गई। इसी दौरान पैदल रास्ते से गुजर रही अधेड़ महिला उस करंट की चपेट में आ गई और गंभीर रूप से झुलस गई। घटना शाम लगभग 6:30 बजे की बताई जा रही है, जब आसमती मंडावी (50) पति स्व. उग्रेशन निवासी जामकोट पारा, पूर्व पार्षद योगेंद्र पोयाम के घर के सामने से गुजर रही थीं। अचानक बिजली का तार आकाशीय बिजली के कारण टूटकर उनके ऊपर गिर पड़ा।

प्रधान न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कोण्डागांव के द्वारा डिफेंस कॉंसिलों का निगरानी व सलाह समिति का लिया गया मासिक बैठक

कोंडागांव। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कोण्डागांव किरण चतुर्वेदी की अध्यक्षता एवं उनकी उपस्थिति में लीगल एड डिफेंस काउंसिल सिस्टम के न्याय रक्षकों के साथ निगरानी व सलाह समिति की समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। उक्त बैठक में मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट कोंडागांव रेशमा बैरागी पटेल एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कोण्डागांव गायत्री साय , कार्यालय लीगल एड डिफेंस कॉंसिल सिस्टम से चीफ रजनीश दुबे, डिप्टी दिनेश ध्रुव एवं प्रमा मिश्रा ।

संक्षिप्त समाचार

सड़कों का मरम्मत कार्य जल्द शुरू होगा : कार्यपालन अभियंता

बिलासपुर। लोक निर्माण विभाग क्रमांक 1 के कार्यपालन अभियंता श्री सीएस विंध्यराज ने बताया कि सड़कों के मरम्मत का कार्य जल्द शुरू होगा। सड़कों के मरम्मत कार्य की निविदा आमंत्रित करने अधीक्षण अभियंता कार्यालय को 8 अगस्त को प्रस्ताव भेजा गया है। स्वीकृत होने पर तत्काल शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों की सड़कों का डब्ल्यूएमएम एवं बीटी पेच रिपेयर का कार्य किया जाएगा। उन्होंने बताया कि अधीक्षण अभियंता कार्यालय को भेजे गए प्रस्ताव में पचपेड़ी से केवतरा बोहारडीह लोहर्सी लंबाई 23.80 कि.मी. में डब्ल्यू.एम.एम. एवं बी.टी. पेच कार्य, मल्हार धवगवां गिधपुरी भटचौरा जैतपुरी होते हुए चिल्हाटी मार्ग लंबाई 25 कि.मी., जोंधरा सोन बसंतपुर उरईबंध मार्ग लंबाई 8.5 कि.मी. निविदा हेतु एवं दर्री लावरकोनी इटवापाली सरसेनी मटिया गिधपुरी मार्ग लंबाई 25 कि.मी. शामिल है।

वृद्धजन दिवस मनाने 15 सितम्बर को बैठक

बिलासपुर। प्रति वर्ष की भांति इस साल भी जिले में 1 अक्टूबर को अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस मनाया जाएगा। जिला स्तरीय आयोजन की रूपरेखा तैयार करने के लिए 15 सितम्बर को अपरान्ह 3 बजे ओल्ड कम्पोजिट बिल्डिंग कक्ष क्रमांक 4 स्थित संयुक्त संचालक समाज कल्याण कार्यालय में बैठक आयोजित की गई है। वरिष्ठ नागरिकों हेतु संचालित समाज सेवी संस्थाएं, पेंशनर संगठन एवं अन्य सामाजिक संस्थाओं को बैठक में आमंत्रित किया गया है। समारोह में 1 अक्टूबर को वृद्धजनों का सम्मान के साथ-साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम, स्वास्थ्य परीक्षण, वित्तीय संरक्षण कार्यशाला, माता पिता भरण अधिनियम 2007 तथा खेलकूद प्रतियोगिता आयोजन के संबंध में विचार विमर्श किया जाएगा। संयुक्त संचालक टीपी भावे ने बैठक में शामिल होने अधिकाधिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों को अनुरोध किया है।

जिले में अब तक 1014.5 मि.मी. बारिश दर्ज किए

बिलासपुर। बिलासपुर जिले में चालू खरीफ मौसम में अब तक 1014.5 मि.मी. बारिश दर्ज की गई है। जो कि पिछले 10 वर्ष के औसत बारिश 948.9 मि.मी. से 65.6 मि.मी. अधिक है। अधीक्षक भू अभिलेख से प्राप्त जानकारी के अनुसार सबसे अधिक बारिश 1250.8 मि.मी. तखतपुर तहसील में और सबसे कम बारिश 763.4 मि.मी. कोटा में रिकार्ड की गई है। इसी प्रकार बिलासपुर तहसील में 1186 मि.मी., बिल्हा तहसील में 970.5 मि.मी., मस्तूरी में 920.5 मि.मी.,सीपत में 953 मि.मी., बोदरी में 975.5 मि.मी., बेलगहना में 1188.7 मि.मी., बेलतरा में 968 मि.मी., रतनपुर में 998.4 मि.मी., सकरी में 1115 मि.मी. और पचपेड़ी तहसील में 884.5 मि.मी. बारिश रिकार्ड की गई है। जिले की औसत वार्षिक वर्षा 1202.3 मि.मी. है।

सहकारी समिति की सदस्यता सूची पर दावा आपत्ति 15 सितम्बर तक

बिलासपुर। श्रमिक कल्याण कामगार सहकारी समिति मर्या. देवरी के सदस्यों का निर्वाचन की कार्यवाही पूर्ण होने के बाद मतदाता सूची का प्रकाशन कर दिया गया है। सूची के संबंध में दावा आपत्ति 15 सितम्बर दोपहर 12 बजे तक प्रस्तुत किये जा सकते है। आपत्तियों का निराकरण 17 सितम्बर एवं अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन 19 सितम्बर दोपहर 12 बजे किया जाएगा।

ननकीराम सत्ता-संगठन से फिर हुए उपेक्षित

कोरबा। जनसंघ के जमाने से राजनीति करते आ रहे भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठतम नेताओं में शुमार आदिवासी नेता पूर्व गृहमंत्री ननकी राम कंवर एक बार फिर अपनी ही सत्ता और संगठन में उपेक्षा का शिकार हुए हैं। अन्य मौकों की बात छोड़ दें तो आज, जबकि प्रदेश का लगभग समूचा मंत्रिमंडल मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट में आयोजित हुए मध्य क्षेत्र आदिवासी विकास प्राधिकरण की बैठक में शामिल होने पहुंचा था, तब यहां प्रदेश के वरिष्ठतम अनुभवी और विशेषकर आदिवासी जिले में आदिवासी क्षेत्रो के विकास के लिए आयोजित महत्वपूर्ण बैठक में जिले के वरिष्ठतम आदिवासी नेता की अनुपस्थिति कई सवालों को जन्म देने लगी। यह अलग बात है कि वे मध्य क्षेत्र आदिवासी विकास प्राधिकरण के ना तो सदस्य हैं और ना ही विधायक अथवा संगठन के किसी ओहदे पर,लेकिन कोरबा आदिवासी बाहुल्य जिला में जनता की आवाज हर वक्त बनने वाले आदिवासी नेता की इस तरह से उपेक्षा होगी यह उन्होंने खुद नहीं सोचा था। उन्होंने बताया कि बैठक के संबंध में किसी भी तरह का आमंत्रण उन्हें नहीं दिया गया था, यहां तक कि जिला संगठन के द्वारा मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की हेलीपैड पर अगवानी करने अथवा अन्य किसी भी तरह से उपस्थित होने संबंधी कोई भी आमंत्रण अथवा आग्रह नहीं किया गया, तो वे बिन बुलाए मेहमान की तरह कहीं कैसे जा सकते हैं।

सफलता की कहानी

प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना:सोलर पैनल से बन रही बिजली ने दी राहत

- सरकंडा निवासी अभिजीत पांडे ने योजना को बताया किफायती
- केन्द्र और राज्य सरकार से योजना के तहत मिल रही सब्सिडी

बिलासपुर। प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना एक ऐसी योजना जो उपभोक्ताओं को बिजली के मामले में आत्मनिर्भर बना रही है और उन्हें महंगे बिजली बिल से राहत पहुंचा रही है। योजना के तहत सरकंडा निवासी श्री अनिमेष पांडे ने अपने घर की छत पर सोलर पैनल लगवाया है, उन्होंने पांच किलोवाट के दो सोलर पैनल लगवाएं हैं। जिससे उनकी बिजली बिल की लागत काफी कम हो गई है। उन्होंने इस महत्वपूर्ण योजना के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय का आभार जताया है। श्री पाण्डेय ने बताया कि उनका संयुक्त परिवार है जहां बिजली की खपत काफी अधिक है जिससे बिजली बिल प्रतिमाह पांच से दस हजार तक आता था, जो आर्थिक बोझ की तरह था ऐसे में सूर्यघर योजना के विषय में जानकारी मिली और परिवार ने इसे अपनाने का निर्णय लिया। अब परिवार को प्रतिमाह बिल के रूप में महज 1 या 2 हजार ही चुकाना पड़ता है। उन्होंने बताया कि घर में दो मीटर लगे हैं ऐसे में आवश्यकता के अनुरूप उन्होंने दोनों मीटर पर अलग अलग पांच किलोवाट के सोलर पैनल लगवाए जिसकी लागत लगभग पांच लाख थी। उन्होंने बताया कि केंद्र और राज्य सरकार से मिलने वाली सब्सिडी के तहत उन्हें दो लाख 16 हजार रुपए प्राप्त हो चुके हैं । सोलर पैनल से हो रहे बिजली उत्पादन से अब उन्हें महंगे बिजली बिल से राहत मिल रही है और परिवार बिल की चिंता से मुक्त है। उन्होंने कहा कि यह एक किफायती योजना है जिसपर निवेश करके लंबे समय तक इसका लाभ लिया जा सकता है। इस महत्वपूर्ण योजना के लिए उन्होंने प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री का आभार जताया और लोगों से योजना का लाभ लेने की अपील की। उन्होंने बताया कि इस योजना के तहत केवल 1 बार निवेश करना है जिसके बाद 25 वर्षों तक बिजली की आपूर्ति होती रहेगी। जिसके लिए बैंक द्वारा कम ब्याज दर पर ऋण की भी सुविधा दी जाती है। उन्होंने कहा कि यह पर्यावरण की दृष्टि से बेहद उपयोगी है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वह इस योजना को अपनाकर सौर ऊर्जा का उपयोग करते हुए बिजली के लिए आत्मनिर्भर बनें और पर्यावरण संवर्धन में अपना योगदान दें। उल्लेखनीय है कि केंद्र सरकार द्वारा इस योजना में 30 हजार रूपये से लेकर 78 हजार रूपये तक अनुदान और राज्य सरकार द्वारा 30000 तक अनुदान दिया जा रहा है। योजना का लाभ प्राप्त करने के लिए उपभोक्ता पीएम सूर्यघर डॉट जीओव्ही डॉट इन वेब पोर्टल अथवा पीएम सूर्यघर एप्प में पंजीयन करा सकते हैं।

रजत जयंती पर जिला स्तरीय कौशल प्रतियोगिता विजेता करेंगे राज्य स्तर पर प्रतिनिधित्व.....

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ की रजत जयंती वर्षगांठ के अवसर पर जिला कौशल विकास प्राधिकरण के तत्वावधान में जिला स्तरीय कौशल प्रतियोगिता एवं विविध रचनात्मक प्रतियोगिताओं का आयोजन जिला परियोजना लाईवलीहुड कॉलेज में किया गया। यह आयोजन कौशल तिहार 2025 के अंतर्गत किया गया, जिसका मुख्य उद्देश्य जिले के युवाओं में कौशल, रचनात्मकता और रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण को प्रोत्साहित करना है। मुख्यमंत्री कौशल विकास योजना एवं प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना के अंतर्गत आयोजित जिला स्तरीय कौशल प्रतियोगिता में जिले के विगत दो वर्षों में प्रशिक्षित कुल 210 हितग्राहियों ने पंजीयन कराया। प्रतिभागियों ने इलेक्ट्रिकल, इलेक्ट्रॉनिक्स,कंप्यूटर एवं हेल्थकेयर जैसे तकनीकी एवं व्यावसायिक क्षेत्रों में अपने कौशल का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता दो आयु वर्गों क्रमश: 22 वर्ष से कम तथा 22 से 45 वर्ष में कराई गई। दोनों श्रेणियों में प्रथम एवं द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागी अब जिले का प्रतिनिधित्व आगामी राज्य स्तरीय कौशल प्रतियोगिता में करेंगे। इसी क्रम में व्यावसायिक प्रशिक्षण प्रदाताओं में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे युवाओं के लिए वाद-विवाद, रंगोली निर्माण, पोस्टर मेकिंग जैसी विविध रचनात्मक एवं बौद्धिक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इन प्रतियोगिताओं के विषय पिछले 25 वर्षों में छत्तीसगढ़ की विकास यात्रा, भविष्य की संभावनाएं एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाएं'' आदि रहे। प्रतिभागियों ने इन गतिविधियों में अपनी कला, रचनात्मकता एवं तर्कशक्ति का प्रभावशाली प्रदर्शन किया। इन सभी कार्यक्रमों का उद्देश्य युवाओं में कौशल विकास के प्रति जागरूकता, रुचि एवं आत्मविश्वास को बढ़ावा देना तथा उन्हें भविष्य के लिए रोजगारोन्मुखी एवं आत्मनिर्भर बनाना था।

राज्य मानसिक चिकित्सालय में मरीजों की सुविधाएं बढ़ाने लिए गए कई निर्णय

- कमिश्नर की अध्यक्षता में जीवनदीप समिति की बैठक संपन्न

बिलासपुर। संभागायुक्त श्री सुनील जैन की अध्यक्षता में राज्य मानसिक चिकित्सालय सेंदरी में जीवनदीप समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में मरीजों के लिए अस्पताल में सुविधाएं बढ़ाने के लिए सर्वसम्मति से कई निर्णय लिए गये। इसके साथ ही बुनियादी काम संबंधित भी निर्णय लिए गये। बैठक में कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल और समिति के सदस्य मौजूद थे। समिति की बैठक में अस्पताल के जरूरी कामों में खर्च किए गए साढ़े 9 लाख रूपए के विभिन्न कामों की कार्योत्तर स्वीकृति प्रदान की गई। बैठक में मैकेनाइज्ड लॉण्ड्री मशीन के वार्षिक संधारण, अतिरिक्त मैकेनाइज्ड लॉण्ड्री मशीन और पैथोलेब के लिए आवश्यक जांच मशीन क्रय करने, अस्पताल के रंगरोगन, सीपेज एवं विभिन्न मरम्मत कार्य, एक्स-रे कक्ष में लेडशीट एवं टीएलडी बैच लगवाने, अस्पताल के वार्डों के लिए हॉस्पिटल बेड एवं मैट्रेस क्रय करने के संबंध में निर्णय लिया गया। संभागायुक्त ने अस्पताल में मरम्मत कार्यों के लिए जल्द प्राकल्न बनाने के निर्देश पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों को दिए। बैठक में अधीक्षक जेपी आर्या ने अस्पताल का प्रतिवेदन एवं पूर्व की बैठक में लिए गए निर्णयों का पालन प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। अस्पताल में प्रतिदिन 110 ओपीडी एवं 04 आईपीडी होती है। विगत 8 माह में 12 हजार से अधिक मानसिक रोगियों का ओपीडी में इलाज हुआ। इसके अलावा 800 से ज्यादा मरीजों को अस्पताल में भर्ती कर इलाज किया गया।

कलेक्टर ने सूर्यघर योजना के प्रचार वाहन को दिखाई हरी झण्डी

बिलासपुर। प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना की जानकारी देने के लिए तीन विशेष प्रचार वाहन को रवाना किया गया। कलेक्टर संजय अग्रवाल एवं बिजली विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों ने जिला कार्यालय परिसर से हरी झण्डी दिखाकर वाहनों को रवाना किया। ये वाहन गांव-गांव और शहर-शहर जाकर लोगों को पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना की जानकारी देंगे और सोलर पैनल लगवाने के लिए उन्हें प्रेरित करेंगे। योजना के अंतर्गत हितग्राहियों को राज्य और केंद्र सरकार की ओर से दी जाने वाली सब्सिडी, आवेदन प्रक्रिया और लोन सुविधा की जानकारी भी लोगों को उपलब्ध कराई जाएगी। योजना का मुख्य उद्देश्य बिजली के मामले में लोगों को आत्मनिर्भर बनाना और बिजली बिल में बचत करना है। इससे पर्यावरण संरक्षण को भी बढ़ावा मिलेगा। योजना को बिलासपुर जिले में अच्छी सफलता मिल रही है। बड़ी संख्या में लोग अब तक इस योजना का लाभ ले रहे है। इस अवसर पर सीएसईबी के ईडी श्री अम्बस्ट, एसई श्री एसके जांगड़े सहित जिला प्रशासन एवं बिजली विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। बताया गया कि योजना के अंतर्गत अपने घर में 1 किलोवॉट का संयत्र लगाने पर 45 हजार, 2 किलोवॉट पर 90 हजार, 3 किलोवॉट पर 1 लाख 8 हजार का कुल अनुदान हितग्राहियों को मिलेगा।

राज्य अंलकरण के लिए जिला प्रशासन ने 22 सितम्बर तक मंगाये आवेदन.....

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ राज्योत्सव के अवसर पर पंडित रविशंकर शुक्ल सम्मान, यतियतन लाल सम्मान एवं महाराजा अग्रसेन सम्मान से सम्मानित करने के लिए जिला प्रशासन ने पात्र व्यक्तियों एवं संस्थाओं से 22 सितम्बर शाम 5.30 बजे तक आवेदन मंगाये है। आवेदक जिसे जिले का निवासी हो उस जिले के कलेक्टर को अपनी प्रविष्टि निर्धारित अंतिम तिथि तक प्रस्तुत करना होगा। चयनित व्यक्ति एवं संस्थाओं को पुरस्कार की राशि दो लाख रूपए नगद, सम्मान प्रतीक चिन्ह से युक्त पट्टिका एवं प्रमाण पत्र भी प्रशस्ति के रूप में दी जाएगी। अहिंसा एवं गौ रक्षा के क्षेत्र में किये गये अविस्मरणीय कार्य, सेवाओं तथा अभिनव प्रयास के लिए यतियतन लाल सम्मान, सामाजिक आर्थिक एवं शैक्षणिक क्षेत्रों में किये गये अभिनव प्रयास के लिए पंडित रविशंकर शुक्ल सम्मान एवं सामाजिक, समरसता तथा सभी वर्गों में समभाव, सौहार्द, समाज सेवा के स्थाई कार्य जैसे अस्पताल, धर्मशाला, पेयजल, स्वच्छता एवं सामाजिक विकास के अन्य स्थाई स्वरूप के कार्यों में जनभागीदारी को बढ़ावा देने, सामाजिक चेतना का अच्छा वातावरण विकसित करने के लिए अखिल भारतीय महाराजा सम्मान प्रदान किया जाता है। यतियतन लाल सम्मान के लिए व्यक्ति एवं संस्था का पूर्ण परिचय, अहिंसा एवं गौरक्षा के क्षेत्र में किये गये अविस्मरणीय कार्य, सेवाओं तथा अभिनव प्रयास के लिए किए गए कार्यों की सप्रमाण विस्तृत जानकारी, यदि कोई अन्य पुरस्कार प्राप्त किया हो तो उसका विवरण, अहिंसा एवं गौरक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य तथा सैद्धांतिक पक्ष के विषय में प्रकाशित साहित्य की सत्यापित छायाप्रति, अहिंसा एवं गौरक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के संबंध में प्रख्यात पत्र, पत्रिकाओं, ग्रंथ के माध्यम से उपलब्ध साहित्य, चयन होने की दशा में सम्मान ग्रहण करने के बारे में व्यक्ति की लिखित सहमति, यदि आवेदक राज्य अथवा केंद्र शासन के किसी विभाग, निगम, मंडल में सेवारत हो तो उसका स्पष्ट उल्लेख प्रविष्टि में किया जाना होगा। महाराजा अग्रसेन सम्मान के लिए व्यक्ति एवं संस्था का पूर्ण परिचय, सामाजिक, समरसता तथा सभी वर्गों में समभाव, सौहार्द, समाज सेवा के स्थाई कार्य जैसे अस्पताल, धर्मशाला, पेयजल, स्वच्छता एवं सामाजिक विकास के अन्य स्थाई स्वरूप के कार्यों में जनभागीदारी को बढ़ावा देने, सामाजिक चेतना का अच्छा वातावरण विकसित करने के क्षेत्र में अविस्मरणीय कार्य, सेवाओं तथा अभिनव प्रयास के लिए किए गए कार्यों की सप्रमाण विस्तृत जानकारी, यदि कोई अन्य पुरस्कार प्राप्त किया हो तो उसका विवरण, सामाजिक, आर्थिक व शैक्षणिक क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य तथा इसका सैद्धांतिक पक्ष के विषय में प्रकाशित साहित्य की सत्यापित फोटो प्रति, सामाजिक, आर्थिक व शैक्षणिक क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य के संबंध में प्रख्यात पत्र, पत्रिकाओं, ग्रंथ के माध्यम से उपलब्ध साहित्य, चयन होने की दशा में सम्मान ग्रहण करने के बारे में व्यक्ति की लिखित सहमति, यदि आवेदक राज्य अथवा केंद्र शासन के किसी विभाग, निगम, मंडल में सेवारत हो तो उसका स्पष्ट उल्लेख प्रविष्टि में किया जाना होगा। पण्डित रविशंकर शुक्ल सम्मान के लिए व्यक्ति एवं संस्था का पूर्ण परिचय, सामाजिक, आर्थिक व शैक्षणिक क्षेत्र में अभिनव प्रयत्नों के लिए किए गए कार्यों की सप्रमाण विस्तृत जानकारी, यदि कोई अन्य पुरस्कार प्राप्त किया हो तो उसका विवरण, सामाजिक, आर्थिक व शैक्षणिक क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य तथा इसका सैद्धांतिक पक्ष के विषय में प्रकाशित साहित्य की सत्यापित फोटो प्रति, सामाजिक, आर्थिक व शैक्षणिक क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य के संबंध में प्रख्यात पत्र, पत्रिकाओं, ग्रंथ के माध्यम से उपलब्ध साहित्य, चयन होने की दशा में सम्मान ग्रहण करने के बारे में व्यक्ति की लिखित सहमति, यदि आवेदक राज्य अथवा केंद्र शासन के किसी विभाग, निगम, मंडल में सेवारत हो तो उसका स्पष्ट उल्लेख प्रविष्टि में किया जाना होगा। महाराजा अग्रसेन सम्मान के लिए व्यक्ति एवं संस्था का पूर्ण परिचय, सामाजिक, समरसता तथा सभी वर्गों में समभाव, सौहार्द, समाज सेवा के स्थाई कार्य जैसे अस्पताल, धर्मशाला, पेयजल, स्वच्छता एवं सामाजिक विकास के अन्य स्थाई स्वरूप के कार्यों में जनभागीदारी को बढ़ावा देने, सामाजिक चेतना का अच्छा वातावरण विकसित करने के क्षेत्र में अविस्मरणीय कार्य, सेवाओं तथा अभिनव प्रयास के लिए किए गए।

छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव पर श्रम विभाग कर रहा विशेष आयोजन

- विशेष शिविर में 200 से ज्यादा श्रमवीरों के बनाए गए श्रम कार्ड
- घरेलू बिजली सुधार के विशेष प्रशिक्षण सत्र का शुभारंभ

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव के अवसर पर श्रम विभाग द्वारा आयोजित दो विशेष श्रमिक पंजीयन शिविर में 105 नए श्रमिकों का पंजीयन एवं 53 पुराने श्रमिकों के कार्ड का नवीनीकरण किया गया। बिल्हा के ग्राम खैरा में आयोजित शिविर में 54 नए श्रमिक पंजीकृत कर उन्हें तत्काल नया श्रमिक कार्ड मौके पर ही वितरित किया गया। इस शिविर में 32 पुराने श्रमिकों के कार्ड का नवीनीकरण भी किया गया। इस क्रम में दूसरे शिविर का आयोजन मस्तुरी ब्लॉक के ठाकुरदेवा में किया गया जहां श्रम विभाग द्वारा 51 नए श्रमिक कार्ड और पुराने 21 श्रमिक कार्ड का नवीनीकरण किया गया। शिविर में बड़ी संख्या में उपस्थित कामगारों को श्रम विभाग की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। सहायक श्रमायुक्त ज्योति शर्मा ने बताया कि बिलासपुर में आज 53 श्रमिकों का ई श्रम पंजीयन भी किया गया। महोत्सव के अवसर पर श्रम विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रमों की जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि आगामी 13 सितम्बर को तखतपुर विकासखण्ड के ग्राम मुरू और बिल्हा विकासखण्ड के ग्राम बरतोरी तथा 16 सितम्बर को कोटा विकासखण्ड ग्राम नवागांव सल्का में विशेष श्रमिक पंजीयन एवं नवीनीकरण शिविर आयोजित किया गया है। इस सिलसिले में 15 सितम्बर को बिलासपुर के बृहस्पति बाजार स्थित श्रम अन्न सहायता केन्द्र और 18 सितम्बर को सिरगिट्टी के जय दुर्गा एग्रो लिमिटेड परिसर में श्रमवीरों के लिए नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित की गई है। यह शिविर सवेरे 9 बजे से शाम 5 बजे तक चलेगी। उन्होंने बताया कि 17 सितम्बर को राजधानी रायपुर के इंडोर स्टेडियम में श्रमिक महासम्मेलन का आयोजन किया गया है। रजत महोत्सव के अंतर्गत मस्तुरी विकासखण्ड के ग्राम पचपेड़ी स्थित आईटीआई में इलेक्ट्रिशियन, डोमेस्टिक सॉल्यूशन ट्रेड में 30 प्रशिक्षणार्थियों का विशेष प्रशिक्षण सत्र शुरू किया गया है। छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सनिर्माण कर्मकार मंडल एवं मुख्यमंत्री कौशल विकास एवं परिवार सशक्तिकरण सहायता योजना के तहत यह विशेष प्रशिक्षण आयोजित किया गया है। श्रीमती ज्योति शर्मा ने इन शिविरों एवं श्रम विभाग की योजनाओं का अधिकाधिक लाभ उठाने की अपील श्रमिकों एवं उनके परिवारों से की है।

बाईक की डिक्की से 50 हजार लेकर भागने वाले दो आरोपी पकड़ाये

बिलासपुर। जिले की रतनपुर पुलिस ने एक व्यक्ति की मोटरसायकल की डिक्की से 50 हजार रूपये झपटकर भागने वाले एक नाबालिग समेत दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है तथा उनके कब्जे से लूट की रकम जब्त किया है। मिली जानकारी के अनुसार ग्राम भरारी निवासी रामनारायण ताम्रकर अपने दिनांक 06/09/2025 को दोपहर करीबन 03 बजे आसपास भारतीय स्टेट बैंक ग्राम लखराम पैसा निकालने गया और बैंक से नगदी 50 हजार रुपये निकालकर थैली मे अपने मोटरसायकल के डिक्की मे रखा तथा मोटर सायकल चलाते हुये घर की ओर जा रहा था । लखराम शराब भटटी व सरवनदेवरी मोड़ के मध्य पहुंचा था उसी समय पीछे से आ रही मोटर सायकल मे दो अज्ञात व्यक्ति इसके करीब आकर सरवनदेवरी का रास्ता पुछने के बहाने इसके डिक्की मे रखे नगदी 50 हजार रुपये को झपटमारी कर भाग गये। प्रार्थी कि रिपोर्ट पर थाना रतनपुर मे अपराध दर्ज किया गया। वरिष्ठ अधिकारियों से प्राप्त दिशा निर्देश पर टीम गठित कर एसबीआई बैंक, एवं प्रार्थी के जाने वाले रास्ते मे लगे दुकानो का सीसीटीव्ही फुटेज का निरीक्षण किया गया। फुटेज से संदेही दो अज्ञात व्यक्ति एक गमछा बांधा हुआ और एक खुला चेहरा एचएफ डिलक्स मोटरसायकल में प्रार्थी का पीछा करते पाये जाने पर संदेही।

आपके नर्वस सिस्टम के लिए फायदेमंद है ओट्स

ओट्स यानी कि जौ या जई, एक प्रकार का खाद्य प्रदार्थ है, जिसे बहुत सारे अनाज को मिलाकर बनाया जाता है। ओट्स में कैल्शियम, फास्फोरस और पोटैशियम भरपूर मात्रा में पाया जाता है, इसलिए ये शरीर को कई प्रकार से फायदा करता है। आइए, जानते हैं ओट्स का नियमित सेवन कौन से सेहत और सौन्दर्य लाभ देता है -

- कैल्शियम, पोटेशियम, मैग्नीशियम और विटामिन-बी से भरपूर ओट्स आपके नर्वस सिस्टम के लिए बहुत फायदेमंद होता है, और आपको स्वस्थ बनाए रखने में मदद करता है।
- ओट्स में पाया जाने वाला इनोजिटॉल रक्त में वसा के स्तर को नियंत्रित करता है, और उसे बढ़ने नहीं देता। यह शरीर में उपस्थित अतिरिक्त वसा को भी कम करता है।
- ओट्स पेट संबंधी रोगों में भी काफी लाभ देता है। यह कब्ज को दूर कर, पेट खराब होने की समस्या से निजात दिलाने में सहायक है।
- प्रतिदिन अपने नाश्ते या खाने में ओट्स को शामिल करने से डाइबिटीज की समस्या में लाभ होता है, क्योंकि यह इंसुलिन के स्तर को नियंत्रित रखने में सहायक होता है।
- आपकी त्वचा को खूबसूरत बनाने के लिए भी ओट्स आपकी मदद कर सकता है। इससे बना फेस पैक चेहरे पर लगाने से त्वचा कोमल और स्वस्थ बनती है।
- ओट्स के चोकर में पर्याप्त मात्रा में फाइबर पाया जाता है, जो जल्दी पेट भरने के साथ-साथ आपके शरीर में उर्जा संचार करता है, और यह वजन कम करने में बेहद लाभप्रद है।
- कैंसर से बचाव के लिए ओट्स का प्रयोग किया जा सकता है। इसके प्रयोग से हृदय रोग होने का खतरा भी कम होता है क्योंकि यह हृदय की धमनियों में वसा को जमने से रोकता है।
- शरीर में गर्मी बढ़ने के कारण होने वाली समस्याओं जैसे चक्कर आना, दिल घबराना जैसी समस्याओं में ओट्स फायदेमंद है, क्योंकि इसकी प्रकृति ठंडी होती है।
- रूखी त्वचा या एक्जिमा जैसी तकलीफ में भी ओट्स सहायक होता है। ओटमील बाथ लेने से त्वचा की जलन समाप्त होती है और रूखापन भी खत्म हो जाता है।
- ओट्स को दूध में मिलाकर बनाए गए स्क्रब का प्रयोग करने से त्वचा की चमक बढ़ जाती है, और त्वचा लंबे संमय तक जवां और खूबसूरत दिखाई देती है।

आपके रूटीन को बेहतर बना सकती है किशमिश

बहुत से लोगों को सुबह उठने के बाद सुस्ती महसूस होती है, ऐसे में जागते तो हैं लेकिन थोड़ी ही देर बाद नींद आने लगती है। अगर आप सुबह पूरी एनर्जी के साथ उठना चाहते हैं तो किशमिश आपके रूटीन को बेहतर बना सकती है।

सुबह-सुबह उठना सेहत के लिए बहुत फायदेमंद होता है। अगर आपके रूटीन में सुबह जल्दी उठने की आदत है तो समझिए आपके सारे काम सही तरीके से बनते हैं। साथ ही आप तमाम तरह की सेहत संबंधी समस्याओं से भी दूर रहेंगे। हालांकि, मौजूदा दौर में इस आदत को बहुत कम लोग फॉलो कर पाते हैं। वजह साफ है, देर रात तक उनका वर्क या फिर किसी भी कारण जागना।

ऐसे में अगर आप सुबह जल्दी उठते हैं तो शरीर में एनर्जी नहीं रहती, लिहाजा आप फिर सो जाते हैं। लेकिन डायटीशियन और स्किन डॉक्टर श्रेया ने हाल इस समस्या के समाधान का एक रास्ता निकाला है जिसे फॉलो कर आप आसानी से सुबह उठने की आदत डाल सकते हैं। श्रेया के अनुसार, किशमिश का सेवन कर आप सुबह एनर्जी के साथ उठ सकते हैं।

सुबह के वक्त क्यों खानी चाहिए भीगी किशमिश

डायटीशियन- डॉक्टर श्रेया ने हाल ही में सुबह जल्दी उठने और भीगी हुई किशमिश खाने को लेकर एक पोस्ट शेयर किया है, जिसमें उन्होंने बताया कि वे क्यों सुबह जागने के बाद किशमिश खाती हैं। डॉक्टर पोस्ट के कैप्शन में लिखती हैं, 'मैं यहां एक डीएम यानी Direct Message का जवाब दे रही हूं। किसी ने मुझसे पूछा कि मैंने अब भीगी हुई किशमिश खाना क्यों शुरू कर दिया है? क्या मैं एक रात का उल्लू और अरली वर्ड यानी सुबह की सैर करने वाली पक्षी बन रही हूं।' किशमिश ऊर्जा, सूक्ष्म पोषक तत्वों - विटामिन बी, सी, आयरन, पोटेशियम और एंटीऑक्सिडेंट जैसे फेरुलिक एसिड, क्वेरसेटिन आदि से भरपूर होती है। इसके अतिरिक्त, इसमें आयरन, कैल्शियम और बोरॉन जैसे ट्रेस एंटीऑक्सिडेंट और खनिजों के साथ कुछ मात्रा में आहार फाइबर भी होते हैं। किशमिश मूल रूप से सूखे अंगूर हैं। इसलिए, वे अंगूर के अधिकांश पोषक तत्वों को बरकरार रखते हैं। आमतौर पर, साधारण चीनी के रूप में कार्बोहाइड्रेट, किशमिश का प्राइमरी कंपोनेंट होता है। किशमिश सुबह की भूख को दूर रखने में भी सहायक है! भिगोने के बाद फाइबर इसमें एक प्राकृतिक रेचक के रूप में कार्य करता है। यह हमें तब तक ऊर्जा प्रदान करता है, जब तक हमारा नाश्ता तैयार नहीं हो जाता। डायटीशियन कहती हैं कि जब आप अपने दिन की शुरुआत 5-6 भीगी हुई किशमिश खाने से करते हैं तो छोटी सी हैबिट आपके स्वस्थ्य के लिए फायदेमंद साबित होती है। बकौल डॉक्टर, 'मैं नहीं चाहती कि ऐसा हो, क्योंकि मैं अपनी लाइफ स्टाइल में सुबह उठने के रूटीन को फॉलो कर रही हूं, इसलिए मुझे अपनी बॉडी को ट्रेंड करने, अपने पेट के लिए एक नई घड़ी सेट करने, अपने पाचन तंत्र को संदेश देने की जरूरत है कि 'अरे, इसकी आदत डाल लें। किशमिश के एक छोटे से आहार के जरिए मैं नए समय में ढलने की कोशिश में हूं। यह मूल रूप से मेरे सिस्टम के लिए एक एक्टिवेटर की तरह काम करती है, यह मेरे पाचन तंत्र को जगाती है और इसके माध्यम से मेरा पूरा शरीर थोड़ी सी ऊर्जा के साथ जाग जाता है।' डॉक्टर ने कुछ ऐसे सवालों के जवाब दिए जो आपके दिमाग में अक्सर रहते हैं। वह कहती हैं कि 'इन सभी वर्षों के लिए मेरी सर्केडियन राइम दिन के बाद के वक्त के अनुसार निर्धारित की गई थी। जैसे मैं देर से उठती हूं तो देर से खाती हूं इसलिए स्वाभाविक रूप से देर से पचाती हूं, देर से सोती हूं और फिर उठती भी देर से हूं। अगले दिन और परसों इसी समयनुसार रूटीन चलता रहा है। मेरा शरीर इन समयों से अच्छे से परिचित है और अब इसे काफी पसंद करती हूं, क्योंकि इस रूटीन में सालों से ढल चुकी हूं। अगर मैं अपने खाने की आदतों में बदलाव किए बिना अचानक जल्दी उठना शुरू कर दूं, तो शरीर इसे लड़ने की कोशिश तो करेगा, क्योंकि यह बिना किसी फ्यूल यानी आहार के थक जाएगा और अंत में, मैं जल्दी उठने की आदत को छोड़ सकती हूं।'

हड्डियों के लिए फायदेमंद है टमाटर सूप

लाल लाल स्वादिष्ट टमाटर कई सब्जियों व डिश का अहम हिस्सा होते है। कच्चे टमाटर के अलावा उनका सूप भी बहुत ही स्वादिष्ट और पौष्टिक होता है। आमतौर पर खाने से पहले स्टार्टर के तौर पर लिए जाने वाले टमाटर सूप में विटामिन और एंटी-ऑक्सीडेंट्स होते हैं। जो आपको हेल्दी और फिट रखने में मदद करते हैं। आइए, जानते हैं टमाटर सूप पीने से सेहत को मिलने वाले गजब के फायदे

टमाटर सूप में विटामिन के और केल्शियम होता है जो हड्डियों को मजबूत रखता है। इसके अलावा शरीर में लाइकोपीन की कमी होने से भी हड्डियों पर तनाव बढ़ता है और टमाटर में काफी मात्रा में लाइकोपीन होता है, जो हड्डियों के लिए अच्छा होता है।

दिमाग को रखें दुरुस्त

टमाटर सूप में भरपूर मात्रा में कॉपर और पोटेशियम पाया जाता है, जिससे नर्वस सिस्टम ठीक रहता है और दिमाग को मजबूती मिलती है।

विटामिन की कमी करे पूरी

टमाटर सूप में विटामिन इ और ए अच्छी मात्रा में होता है। विटामिन इ, टिशू के विकास के लिए जरूरी होता है। कहते है कि शरीर में रोजाना 16% विटामिन इ और 20% विटामिन ए की जरूरत होती है और टमाटर सूप इसकी जरूरत को पूरा करता है।

वजन करे कम

टमाटर सूप को अगर ऑलिव ऑयल से बनाया जाए तो यह वजन घटाने में सहायक होता है, क्योंकि इसमें पानी और फाइबर की मात्रा ज्यादा होती है, जिससे आपको काफी समय तक भूख नहीं लगती।

कैंसर का खतरा करे कम

टमाटर सूप में लाइकोपीन और कैरोटोनॉयड जैसे एंटी-ऑक्सीडेंट होते हैं, जिससे कैंसर की आशंका कम हो जाती है।

ब्लड शुगर को करे नियंत्रण

डायबिटीज के मरीजों को डाइट में टमाटर सूप जरूर लेना चाहिए। इसमें क्रोमियम होता है, जो ब्लड शुगर को नियंत्रण में रखने में सहायक होता है।

रक्त प्रवाह को बढ़ाएं

टमाटर में सेलेनियम होता है, जो रक्त प्रवाह को बढ़ाता है जिससे एनिमिया का खतरा कम हो जाता है।

डाइट में शामिल करें ये मसाले कई बीमारियों से बचेंगे

इस मौसम में आपको अपनी डाइट में कुछ चीजें जरूरी रूप से शामिल करनी चाहिए। हम बात कर रहे हैं कुछ ऐसे मसालों के बारे में जिन्हें इस मौसम में खाने पर आप कई कई बीमारियों से बच सकते है

काली मिर्च

काली मिर्च आपको सर्दी, खांसी, कफ, पाचन संबंधी समस्याओं से बचा सकती है साथ ही यह म्यूकस को शरीर से बाहर निकालने में भी काफी मददगार साबित होती है।

दालचीनी

दालचीनी का सेवन इस मौसम में गला खराब होने से तो बचाएगा ही, कफ को निकालने में भी मदद करेगा। यह प्राकतिक तौर पर शरीर में गर्माहट पैदा करने में सहायक है जिससे आप सर्दी जनित समस्याओं से बच जाते हैं।

हल्दी

हल्दी इन दिनों में गर्माहट का अच्छा स्त्रोत है और यह एंटी बैक्टीरियल व एंटी फंगल गुणों से भरपूर है। गर्म दूध में हल्दी का सेवन तो अमृत के समान माना गया है।

अदरक

अदरक वाली चाय का मजा ही कुछ और होता है। इन दिनों में इसके फायदे भी आपके लिए दुगुने होते हैं, क्योंकि यह न केवल शरीर को गर्माहट देती है बल्कि मौसम की बीमारियों से आपको बचाती है। सूखी अदरक यानि सौंठ का सेवन भी इस मौसम में लाभकारी है।

लहसुन

लहसुन को भून कर खाने से सर्दी ठीक होती है, यह तो दादी मां के नुस्खों में से एक है। ऐसे कई फायदों में लहसुन से मौसमी बीमारियों का बचाव भी शामिल है।

अगर आप एक महिला हैं। घर-ऑफिस की जिम्मेदारी बराबर से संभाल रही हैं, तो समय आ गया है कि आप अपनी सेहत पर ध्यान दें। क्योंकि अब स्थिति पहले जैसी नहीं रही। कहीं ऐसा ना हो, कि भागदौड़ और काम के दबाव के चलते आप हार्ट अटैक और स्ट्रोक जैसी बीमारी की गिरफ्त में आ जाएं। सुनकर थोड़ी हैरत होगी, लेकिन यह बात हम नहीं कह रहे, बल्कि एक स्टडी में सामने आई है।

महिलाओं को दिल की बीमारी की चेतावनी का संकेत दे रहा है काम का तनाव

यूरोपीय स्ट्रोक संगठन में पेश किए गए एक अध्ययन के अनुसार, महिलाओं में काम के दबाव और नींद की कमी के चलते हार्ट अटैक और स्ट्रोक का खतरा बढ़ रहा है। आमतौर पर डायबिटीज , आरटियल हाइपरटेंशन, बढ़ा हुआ कोलेस्ट्रॉल , धूम्रपान और मोटापा हृदय रोग के जोखिम में शामिल हैं। अध्ययन के अनुसार, वर्क प्रेशर, तनाव, नींद संबंधी विकार के कारण हार्ट अटैक और स्ट्रोक के मामले पुरूषों के मुकाबले महिलाओं में तेजी से बढ़ रहे हैं। स्टडी के ऑथर कहते हैं कि परंपरागत रूप से पुरूषों को महिलाओं की तुलना में दिल के दौरे और स्ट्रोक से ज्यादा प्रभावित माना जाता है। लेकिन अब कुछ देशों में इस मामले में महिलाओं ने पुरूषों को पीछे छोड़ दिया है। अब काम का तनाव महिलाओं को दिल की बामारी की चेतावनी का संकेत दे रहा है।

तनाव और थकावट है कारण

अध्ययन में पाया गया कि भले ही पुरूषें में महिलाओं की तुलना में धूम्रपान करने और माटे होने की संभावना ज्यादा थी, लेकिन हार्ट अटैक और स्ट्रोक के मामले सबसे ज्यादा महिलाओं में देखे गए। यूनिवर्सिटी हॉस्पीटल ज्यूरिख के न्यूरोलॉजिस्ट और उनकी टीम का कहना है कि महिलाओं में इन गंभीर बीमारियों में वृद्धि होने की वजह वर्कप्लेस पर ज्यादा काम का तनाव, नींद संबंधी विकार और थकावट है। चौकाने वाली बात ये है कि इन बीमारियों का जोखिम फुल टाइम जॉब करने वाली महिलाओं में सबसे ज्यादा देखा गया है। टीम के अनुसार, ऑफिस में फुल टाइम जॉब करने वाली महिलाओं पर घर और ऑफिस की जिम्मेदारी निभाने का दबाव उन महिलाओं के मुकाबले ज्यादा रहता है, जो तीन से चार घंटे की नौकरी करती हैं।

थकान और नींद संबंधी विकारों में हुई वृद्धि

रिसर्चर्स ने हेल्थ सर्वे में 22000 महिलाओं और पुरूषों के डाटा की तुलना की। इसमें उन्होंने पाया कि कार्डियोवस्कुलर डिसीज के लिए गैर पारंपरिक जोखिम वाले कारकों की रिपोर्ट करने वाली महिलाओं की संख्या में खतरनाक रूप से वृद्धि हुई। कुल मिलाकर काम के दौरान स्ट्रेस लेने वाले पुरूष और महिलाओं की संख्या 2020 में 59 प्रतिशत से बढ़कर 2023 में 66 प्रतिशत हो गई। जबकि काम के बाद थकान महसूस करने वालों की संख्या 23 प्रतिशत से बढ़कर 29 प्रतिशत हो गई। इस अवधि में नींद संबंधी विकारों की संख्या 24 प्रतिशत से बढ़कर 29 प्रतिशत तक की वृद्धि देखी गई। नींद संबंधी विकार के मामले जहां पुरूषों में 5 प्रतिशत बढ़े, वहीं महिलाओं में 8 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी हुई है।

इस रिसर्च के बाद यह तो साफ है कि अब हार्ट अटैक और स्ट्रोक पुरूषों से जुड़ी बीमारी नहीं रही, बल्कि अगर ध्यान न दिया जाए, तो काम के दबाव के चलते महिलाओं में भी इन गंभीर बीमारियों का जोखिम बढ़ सकता है। विशेषज्ञों के अनुसार, ऐसे हालातों से बचने के लिए महिलाओं को काम करते हुए कम तनाव और अच्छी नींद लेने की बहुत जरूरत है।

नौकरी का आश्वासन, नवागांव में खुलेगी पुलिस चौकी, रमन सिंह बोले... अवैध कारोबार पर बरतेंगे सख्ती

नवागांव में हुए हत्याकांड मामले में मृतकों से मिलने पहुंचे विस अध्यक्ष

■ रमन सिंह ने माना पुलिस कार्रवाई में देरी हुई, इसलिए हुआ निलंबन

राजनांदगांव। बजरंगपुर-नवागांव वार्ड में हुई तीन हत्याओं के बाद बढ़ते अपराध को लेकर चर्चा जोरों पर है। इसे लेकर गुरूवार को विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह राजनांदगांव प्रवास पर रहे, यहां उन्होंने तीनों ही मृतकों के परिजनों से मुलाकात की और संवदेना प्रकट की। उनसे बातचीत की और जल्द ही नवागांव इलाके में पुलिस चौकी खोलने की बात कही। इसके अलावा परिजनों को नौकरी दिलाने का भी आश्वासन दिया। उन्होंने यह भी कहा कि इस मामले में दो निलंबन हुए हैं और भी जिसकी संलिप्तता होगी, उस पर भी कार्रवाई की जाएगी। दोपहर तकरीबन 12 बजे डॉ. सिंह नवागांव पहुंचे। यहां उन्होंने मृतक किशन राजपूत के परिजनों से मिले, किशन नगर निगम में कार्यरत थे। परिजनों को अनुकंपा नियुक्ति की बात उन्होंने की। इसके अलावा राकेश ढीमर की पत्नी तो कि 12वी पास है, उसे प्लेसमेंट के जरिए और सचिन मानिकपुरी के परिजन को नौकरी दिलाने का आश्वासन उन्होंने दिया। इस दौरान परिजनों से डॉ. सिंह व्यक्तिगत रूप से बातचीत की। साथ ही पूरी घटना के संबंध में जानकारी दी, कहां चूक हुई यह तक परिजनों से जाना।

नशे के कारोबार पर नकेल कसेंगे

उन्होंने कहा कि बढ़ते अपराधों की जड़ नशा है। डॉ. सिंह ने कहा कि खासकर नशे की टेबलेट जो आ रही है, जिसकी चपेट में युवा है। ऐसे अवैध कारोबार पर नकेल कसी जाएगी। प्रदेश स्तर पर भी इस पर कार्रवाई की जा रही है। यहां भी इस पर काम किया जा रहा है, इस पर पूरी तरह से सख्ती बरती जाएगी।

विस अध्यक्ष ने कहा..देरी हुई घटना रोकी जा सकती थी

पत्रकारों से बातचीत में विस डॉ. रमन सिंह ने कहा कि पहले आरोपियों ने किशन राजपूत के घर जाकर विवाद किया। इसके बाद पुलिस को कार्रवाई करना था, लेकिन पांच घंटे का समय बीत गया और कार्रवाई नहीं हुई। यदि पुलिस सख्ती बरतती तो ये घटना नहीं घटती। इस मामले में लापरवाही को देखते हुए चौकी प्रभारी और एएसआई को सस्पेंड किया गया है। साथ ही डॉ. सिंह ने कहा कि अधिकारियों को निर्देशित किया गया है, जो इसमें संलिप्त होगा उस पर कार्रवाई होगी।

पार्षदों के साथ तालमेल बैठाकर गुणवत्तापूर्ण कार्यों को बढ़ाएं आगे : विजय मोटवानी

शहर विकास को गति देने लोक निर्माण विभाग की बैठक में लिए गए अनेक निर्णय

धमतरी। नगर निगम के विकास संबंधित कार्यों को आगे बढ़ाने के लिए सर्वाधिक महत्वपूर्ण विभाग लोक निर्माण की बैठक विभागाध्यक्ष विजय मोटवानी की अध्यक्षता में निगम सभा कक्ष में संपन्न हुई जिसमें इस बात पर बल दिया गया कि अब बरसात समाप्ति की ओर है। इसलिए निर्माण कार्य में ब्रेक की शासन द्वारा निर्धारित अवधि 15 जून से 15 अक्टूबर तक का काल समाप्त होने के पश्चात शहर के 40 वार्डों के रुके हुए कार्यों जिसमें निर्माण से संबंधित नाली सड़क सहित जनहितकरी अनन्य कार्य को गति देने के लिए विभाग के अभियंताए उप अभियंता गंभीरतापूर्वक कार्यों को सुनिश्चित करें जिससे आने वाले समय में सड़क के गड्ढे जैसी समस्याओं से लोगों को निजात मिल सके। इस बैठक के माध्यम से मोटवानी ने यह भी संदेश देने का प्रयास किया कि सामूहिकता के साथ शहर विकास के विजन को आगे बढ़ाने पर ही आम जनमानस का हित, नगर निगम के प्रति विश्वास बढ़ेगा और इसी भावनाओं को लेकर उन्होंने सलाहकार समिति के सदस्यों मेघराज ठाकुर, हेमंत बंजारे, कुलेश सोनी, चंद्रभागा साहू, नम्रता पवार, उमा ध्रुव के अलावा उक्त बैठक में एम आई सी के अन्य विभाग अध्यक्ष जिसमें भवन अनुज्ञा से नरेंद्र रोहरा, जल विभाग से अखिलेश सोनकर, स्वास्थ्य विभाग निलेश लूनिया तथा खाद्य विभाग से पिंटू यादव को बैठक में विशेष रूप से आमंत्रित करते हुए नगर निगम के कार्यों को सामूहिकता के साथ आगे बढ़ाने के लिए उपस्थित अधिकारी कर्मचारियों को त्वरित रूप से निर्देशित किए गए।

टेंडर की प्रक्रिया में बरती जाए पारदर्शिता

लोक निर्माण विभाग के सलाहकार समिति के सदस्य गणों द्वारा एकमत से जनहित, निगमहित पार्षदों के हित में टेंडर के नियम प्रक्रिया में पूरी तरीके से प्रदर्शित बरते जाने पर सहमति बनाई गई तथा सभी ने कहा कि अतिशीघ्र मरम्मत संधारण, अधोसंरचना मद, पार्षद निधि के कार्यों को तत्काल आगे बढ़कर धरातल पर मूर्ति रूप देने के लिए कार्यवाही किया जाए क्योंकि अब हमारा कार्यकाल 6 माह बीत चुका है। समिति के सदस्यों के सुझाव के अनुसार विभाग अध्यक्ष मोटवानी ने विश्वास दिलाया है कि आने वाले समय में बुनियादी सुविधाओं से संबंधित कार्य जिसमें नाली, सड़क, पेयजल, बिजली, साफ-सफाई की समाग्री खरीदी के कार्यों को जल्दी से जल्दी संपन्न करने के साथ-साथ

बकाया टैक्स एकमुश्त जमा करने पर 10% छूट आंगनवाड़ी नियुक्ति व विकास कार्यों को मंजूरी

भिलाईनगर। नगर पालिक निगम भिलाई की महापौर परिषद की बैठक महापौर नीरज पाल की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में 20 अहम प्रस्तावों पर चर्चा कर सर्वसम्मति से स्वीकृति दी गई। बैठक में प्रमुख निर्णयों में चंद्रा मौर्या अंडरब्रिज सोलर प्लांट स्थापना कार्य में परिवर्तन कर 77 एमएलडी जलशोधन संयंत्र में ऑनग्रिड सोलर प्लांट लगाने, विज्ञापन हेतु 8 प्रमुख मार्गों पर यूनिपोल स्थापना, आकाश गंगा व्यवसायिक परिसर में दुकानों के बरामदे के आबंटन, और प्रियदर्शिनी परिसर पश्चिम में स्विमिंग पूल निर्माण को मंजूरी दी गई। सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने के लिए सेना व पैरामिलिट्री फोर्स के 20 सेवानिवृत्त जवानों की उड़नदस्ता टीम गठित करने का भी निर्णय लिया गया। वहीं, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता/सहायिका नियुक्ति की अंतिम योग्यता सूची को परिषद से स्वीकृति दी गई। शहरवासियों को राहत देते हुए परिषद ने बकाया करदाताओं के लिए बड़ा निर्णय लिया है। निगम क्षेत्र के भवन/भूमि स्वामियों द्वारा यदि 30 नवंबर 2025 तक एकमुश्त बकाया संपत्तिकर/शिक्षा उपकर/ समेकित कर जमा कराया जाता है, तो 10 प्रतिशत की छूट दी जाएगी। इस पर किसी प्रकार का अधिभार या शास्ति नहीं लगेगी। हालांकि यह छूट राज्य शासन की स्वीकृति के बाद ही लागू होगी। बैठक में परिषद सदस्य सीजू एन्थोनी, लक्ष्मीपति राजू, संदीप निरंकारी, लालचंद वर्मा, साकेत चंद्राकर, केशव चौबे, एकांश बंछोर, आदित्य सिंह, चंद्रशेखर गंवई, नेहा साहू, मन्नान गफ्फार खान, मालती ठाकुर सहित निगम अधिकारी उपस्थित रहे।

15 सितंबर तक डिजिटल फसल सर्वेक्षण शत-प्रतिशत पूर्ण करें : कलेक्टर अभिजीत सिंह

दुर्ग। कलेक्टर अभिजीत सिंह ने कलेक्ट्रेट के सभा कक्ष में डिजिटल फसल सर्वेक्षण की प्रगति की समीक्षा के लिए संबंधित अधिकारियों की बैठक ली। बैठक में उन्होंने शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में नियुक्त सर्वेक्षणकर्ताओंकी जानकारी लेते हुए निर्देशित किया कि सभी एसडीएम, तहसीलदार और नायब तहसीलदार सर्वेक्षण कार्य में तेजी लाएं और यह सुनिश्चित करें कि 15 सितंबर तक यह कार्य शत-प्रतिशत पूर्ण हो जाए। कलेक्टर ने कहा कि सर्वेक्षणकर्ताओं द्वारा की गई प्रविष्टियों का सत्यापन पटवारियों द्वारा अनिवार्य रूप से किया जाना चाहिए। इस कार्य की धीमी प्रगति पर नाराजगी जाहिर करते हुए उन्होंने कहा कि यदि पटवारियों द्वारा समय पर सत्यापन नहीं किया जाता है, तो संबंधित पटवारियों को नोटिस जारी किया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि जहां पर सर्वेक्षण की गति धीमी है वहां अतिरिक्त सर्वेक्षणकर्ता नियुक्त किए जाएं, ताकि कार्य समयसीमा के भीतर पूरा किया जा सके। कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे प्रतिदिन सर्वेक्षण कार्य की मॉनिटरिंग करें और सर्वेक्षण की गुणवत्ता एवं विश्वसनीयता बनाए रखें। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि जिन गांवों में सर्वेक्षण का कार्य पूर्ण हो चुका है, वहां नियुक्त सर्वेक्षणकर्ताओं को अन्य गांवों में भेजा जाए, ताकि डिजिटल फसल सर्वेक्षण कार्य समय सीमा में पूर्ण हो सके। बैठक में अपर कलेक्टर योगिता देवांगन, अपर कलेक्टर विरेन्द्र सिंग, संयुक्त कलेक्टर हरवंश सिंह मिरी, संयुक्त कलेक्टर सिल्वी थॉमस, एसडीएम महेश राजपूत, हितेष पिस्दा, सोनाल डेविड, तहसीलदार, अधीक्षक भू-अभिलेख सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

प्रतिबंधित सिंगल यूज प्लास्टिक पर निगम की बड़ी कार्रवाई

भिलाईनगर। नगर पालिक निगम भिलाई द्वारा प्रतिबंधित सिंगल यूज प्लास्टिक के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है। निगम आयुक्त राजीव कुमार पांडेय के आदेशानुसार जोन क्रमांक 01 अंतर्गत वार्ड क्रमांक 02 स्मृति नगर क्षेत्र में व्यवसायियों पर चालानी कार्रवाई की गई। निरीक्षण के दौरान सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग, व्यवसाय परिसर में गंदगी तथा सोर्स सेग्रीगेशन (गीला-सूखा कचरे का पृथक्करण) न पाए जाने पर कार्यवाही की गई। इस कार्रवाई में कुल 9500 का जुर्माना वसूला गया। जुर्माने की विवरणी, कुकर बिरियानी 69 -1000, कुकर बिरियानी 69 -8000, आशीर्वाद होटल -500, कुल -9500, इस कार्रवाई के दौरान जोन-1 स्वच्छता निरीक्षक कमलेश द्विवेदी एवं सुपरवाइजर क्रिस्टोफर पाल उपस्थित रहे। जोन-2 में भी हुई कार्रवाई-इसी तरह जोन क्रमांक 2 क्षेत्र में गौरव पथ रोड पर सिंगल यूज प्लास्टिक उपयोग करते पाए जाने पर 10 लोगों से 2100 का दंडिक शुल्क वसूला गया। साथ ही उन्हें भविष्य में प्लास्टिक का उपयोग न करने की समझाइश दी गई। जिम्मेदार नागरिक बनें-महापौर नीरज पाल, भिलाई नगर विधायक देवेंद्र यादव, वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन एवं आयुक्त राजीव कुमार पांडेय ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे सिंगल यूज प्लास्टिक का पूरी तरह बहिष्कार करें।

बर्थडे पार्टी में शराब पीने के बाद विवाद, युवक की हत्या, चंद घंटों में तीन आरोपी गिरफ्तार, एक अपचारी बालक हिरासत में, एक फरार

दुर्ग/नेवई। स्टेशन मरोदा स्थित शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के ग्राउंड में रविवार देर रात जन्मदिन की पार्टी के दौरान हुए विवाद ने खूनी रूप ले लिया। शराब सेवन के बाद हुए झगड़े में दोस्तों ने मिलकर युवक की हत्या कर दी। पुलिस ने घटना के कुछ ही घंटों के भीतर तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि एक अपचारी बालक को हिरासत में लेकर किशोर न्याय बोर्ड में पेश किया गया है। वहीं, एक अन्य आरोपी फरार है जिसकी तलाश की जा रही है। मृतक का शव स्कूल ग्राउंड में मिला-शिवपारा स्टेशन मरोदा निवासी प्रेमुराम ठाकुर ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई कि उसका पुत्र रोशन कुमार ठाकुर उर्फ बेंदरा (20 वर्ष) 8 सितंबर की रात 10 बजे अपने दोस्त नकुल जायसवाल के जन्मदिन पार्टी में शामिल होने घर से निकला था। जब वह देर रात तक वापस नहीं लौटा तो परिजन खोजबीन करते हुए स्कूल ग्राउंड पहुंचे। वहां झाड़ियों में रोशन खून से लथपथ मृत अवस्था में पड़ा मिला। उसके सिर पर भारी वस्तु से वार कर हत्या की गई थी।

ऐसे हुआ विवाद-जांच में सामने आया कि जन्मदिन की पार्टी में मृतक रोशन सहित उसके साथी -आकाश कुमार प्रसाद, अभिषेक पासवान, धनुष उर्फ सेटठी, सूरज साव और एक अपचारी बालक (जन्मदिन मनाने वाला), सभी ने पहले ग्राउंड के बाहर केक काटा और फिर चबूतरे पर बैठकर शराब पी। रात करीब साढ़े 11 बजे शराब के नशे में मृतक रोशन ने बर्थडे बॉय से विवाद करते हुए उसे धमकाया और मारपीट की। इसके बाद विवाद बढ़ गया और रोशन ने अपचारी बालक को गिराकर मारने की कोशिश की। इसी दौरान आकाश प्रसाद और अपचारी बालक ने मिलकर रोशन पर हमला किया।

महतारी सदन में गंदगी, सचिव को नोटिस, पंचायतों में काम जल्द पूरा करने के निर्देश

■ जिला पंचायत सीईओ ने निर्माण कार्यों और अन्य स्थलों का निरीक्षण किया

राजनांदगांव। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सुरूचि सिंह ने राजनांदगांव ब्लॉक के ग्राम पंचायत सुन्दरा, अचानकपुर भाठापारा एवं सोमनी में चल रहे विकास कार्यों का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने अप्रारंभ एवं निर्माणाधीन आवासों को तत्काल प्रारंभ करने एवं निर्माणाधीन आवासों को 30 सितंबर तक पूर्ण करने के निर्देश दिए। ग्राम पंचायत सोमनी में महतारी सदन का जल्द से जल्द कार्य पूर्ण करने कार्यपालन अभियंता ग्रामीण यांत्रिकी सेवा एवं अनुविभागीय अधिकारी ग्रामीण यांत्रिकी सेवा को निर्देशित किया। उन्होंने महतारी सदन के पास गंदगी पाए जाने पर ग्राम सचिव को नोटिस जारी करने के निर्देश दिया। उन्होंने ग्रामीणजनों को स्वच्छता हेतु समझाइश दिया। अप्रारंभ आवास हितग्राहियों को एक सप्ताह के भीतर कार्य प्रारंभ नहीं होने की स्थिति में राशि वसूली के लिए समझाइश दी गई। इसी प्रकार ग्राम पंचायत सुन्दरा में ढलाई शेष वाले आवास हितग्राहियों को माह 30 सितम्बर तक आवास पूर्ण किये जाने के लिए निर्देशित किया। मिनी स्टेडियम स्टेडियम निर्माण कार्य को समय-सीमा में पूर्ण करने कहा। ग्राम पंचायत अचानकपुर भाठापारा में अटल डिजिटल सुविधा केन्द्र का निरीक्षण एवं निर्माणाधीन आवासों को माह के अंत तक पूर्ण करने हेतु निर्देश दिया। इस दौरान उप संचालक पंचायत देवेन्द्र कौशिक, सीईओ जनपद पंचायत राजनांदगांव मनीष साहू, जिला पंचायत एवं जनपद पंचायत स्तर के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

पद्मनाभपुर क्षेत्र के मंदिरों में चोरी करने वाले 2 आरोपी गिरफ्तार, छह मंदिरों की दान पेटी से उड़ाए थे हजारों रुपए, पुलिस ने बाइक और औजार भी जब्त किए

दुर्ग। जिले में लगातार हो रही मंदिर चोरी की घटनाओं पर लगाम लगाने पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। थाना पद्मनाभपुर पुलिस और U ACCU टीम ने संयुक्त कार्रवाई कर मंदिरों में चोरी करने वाले दो शातिर आरोपियों को गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपी पहले भी मंदिर चोरी के मामले में जेल जा चुके हैं। मुखबिर की सूचना पर दबोचे गए आरोपी-पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि दो युवक जेल तिराहा स्थित देवांगन होटल के पास चोरी की योजना बना रहे हैं। सूचना पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने दोनों संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ की। पूछताछ में आरोपियों ने मंदिरों से दान पेटी तोड़कर रुपए चोरी करने की बात कबूल की। छह मंदिरों से की थी चोरी-गिरफ्तार आरोपियों ने थाना पद्मनाभपुर क्षेत्र के छह मंदिरों से चोरी करना स्वीकार किया है– 1. राधा कृष्ण हनुमान मंदिर, कसारीडीह - लगभग 3500 2. शनिदेव मंदिर, बोरसी हाट बाजार - लगभग 3000 3. राम जानकी मंदिर, कोहका चौक -लगभग 10,000 4. तीन दर्शन मंदिर, कोहका चौक - लगभग 6000 5. हनुमान मंदिर, कोहका चौक - चिल्हर राशि, 6. शिव मंदिर, भेलवा चौक नेहरू नगर - चिल्हर राशि, जब्त सामान-पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से स्प्लेंडर मोटरसाइकिल और लोहे का रॉड जब्त किया है, जिसका उपयोग चोरी की वारदातों में किया जाता था। दर्ज अपराध और कार्रवाई-आरोपियों के खिलाफ थाना पद्मनाभपुर में अपराध बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है। गिरफ्तार आरोपी-1. आदर्श द्विवेदी, उम्र 19 वर्ष, निवासी कादम्बरी नगर थाना मोहन नगर 2. पवन साहू, उम्र 18 वर्ष, निवासी कादम्बरी नगर थाना मोहन नगर इस पूरी कार्रवाई में थाना पद्मनाभपुर पुलिस एवं टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

मेयर अलका बाघमार ने 87 छात्राओं को बांटी साइकिल, बोले- छात्र जीवन अपने जीवनकाल का स्वर्णिम समय होता है

बेटियां हैं तो कल है ,सभी बच्चें बेहतर ढंग से पढ़ाई करें और अपने विद्यालय व प्रदेश का नाम रोशन करें : मेयर

दुर्ग। नगर पालिक निगम सीमा क्षेत्र अंतर्गत वार्ड क्रमांक 21 तितुरडीह स्वामी आत्मानंद गवर्नमेंट इंग्लिश, हिंदी मीडियम स्कूल में मेयर अलका बाघमार ने एमआईसी सदस्य देवनारायण चंद्राकर, पार्षद विद्यावती सिंह के साथ सरस्वती योजना के अंतर्गत 87 छात्राओं को साइकिल वितरित की। इस दौरान महापौर अलका बाघमार ने कहा कि बेटियां हैं तो कल है, सभी बच्चें बेहतर ढंग से पढ़ाई करें और अपने विद्यालय का नाम रोशन करें। इस अवसर पर एमआईसी सदस्य देव नारायण चंद्राकर, पार्षद विद्यावती सिंह,अरुण सिंह, के अलावा स्कूल प्राचार्या लंभा सहित समस्त स्टॉपगण मौजूद रहें। महापौर बाघमार द्वारा सरस्वती साइकिल वितरण कार्यक्रम में सर्वप्रथम मां सरस्वती जी के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्जलवन कर कार्यक्रम की शुरुआत की गई। इस दौरान महापौर अलका बाघमार ने कहा कि सरस्वती साइकिल वितरण योजना के तहत तितुरडीह स्वामी आत्मानंद गवर्नमेंट इंग्लिश, हिंदी मीडियम स्कूल में छात्राओं को साइकिल वितरण किया जा रहा है। सभी छात्राओं को बधाई व शुभकामनाएं। बेटियां हैं तो कल है, सभी बच्चें बेहतर ढंग से पढ़ाई करें और अपने विद्यालय व प्रदेश का नाम रोशन करें, हमारे प्रदेश में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय जी की सोच है कि शिक्षा,स्वास्थ्य, पेयजल एवं सभी क्षेत्रों में प्रदेश का समग्र विकास करना। उन्होंने कहा यही समय होता है अपने लक्ष्य निर्धारित कर रुचि रख विषय को लेकर पढ़ाई करें जीवन में शिक्षा का विशेष महत्व होता है, महापौर बाघमार ने कहा कि शिक्षा को और बेहतर रूप से करने के साथ हमारी छात्राओं को स्कूल आने में परेशानी ना हो जिसके लिये सरस्वती साइकिल योजना के तहत सरकार द्वारा साइकिल वितरण किया जा रहा है, शिक्षा के क्षेत्र में बच्चों के लिए अच्छा अवसर देना हमारा कर्तव्य है। हमारी सरकार के मंशा के अनुरूप शिक्षा के क्षेत्र में आगे की ओर अग्रसर होते हुए प्रदेश में बेहतर शिक्षा देना हमारा कर्तव्य है।

सड़क बाधित करने वाले दुकानदारों पर निगम ने की कार्रवाई

भिलाईनगर। नगर पालिक निगम भिलाई ने सोमवार को पंचमुखी हनुमान मंदिर (मॉडल टाउन) के सामने सड़क पर अवैध रूप से दुकानें लगाकर आवागमन बाधित करने वाले चाट, गुपचुप व फल विक्रेताओं पर कार्रवाई की। स्थानीय नागरिकों ने इसकी शिकायत टी.एल. जनदर्शन में की थी। शिकायत पर कई बार दुकान संचालकों को स्वयं से दुकान हटाने की समझाइश दी गई, लेकिन कार्रवाई न होने पर आज निगम आयुक्त राजीव कुमार पांडेय के निर्देश पर सहायक राजस्व अधिकारी अजय शुक्ला के नेतृत्व में टीम ने सभी दुकानों को हटाया। कार्रवाई के दौरान सहायक राजस्व अधिकारी संजीव तिवारी, शशांक सिंह, इमान सिंह कन्नौज, यश मेश्राम, मंगल जांगड़े, राजेंद्र सिंह, गोकर्ण व विष्णु सोनी सहित अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। Email : loktantraprahrinews@gmail.com